महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

सुविचार

जीवन में विचारों की खूबसूरती कही से भी मिले चुरा लें क्योंकि' चेहरे की खूबसूरती तो उमर के साथ बदल जाती है, मगर विचारों की खूबसूरती हमेशा दिलो मे अमर रहती है

वर्ष : 16 अंक : 350 | उज्जैन, सोमवार 01 जून 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुशासन की दिशा में वरदान साबित हो रहा विज्ञान - मुख्यमंत्री

सरकार हर जिले में स्थापित कर रही है पुलिस बैंड

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश में तकनीक आधारित सुशासन की पहल के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को इंदौर में 'डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट' का लोकार्पण तथा 'इंदौर ट्रैफिक साथी' मोबाइल ऐप का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने 18 अत्याधुनिक हाईटेक ड्रोन्स का और 10 पुलिस वाहनों का लोकार्पण कर इन्हें इंदौर पुलिस के बेड़े में शामिल कराया। यह ड्रोन्स पुलिस की तीसरी आंख के रूप में हर वक्त कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात प्रबंधन और निगरानी व्यवस्था को और भी अधिक प्रभावी बनाएंगे। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों की मांग पर इंदौर शहर में तीन नए पुलिस थाने खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की कमी की पूर्ति भी क्रमबद्ध रूप से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम हर साल पुलिस विभाग के 22 हजार 500 पदों पर भर्ती कर रहे हैं। लगभग सभी पदों पर भर्ती जारी है। हम प्रदेश के हर जिले में पुलिस बैंड की स्थापना भी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सरकार हमेशा पुलिस विभाग के साथ है। परन्तु नागरिकों को बेवजह परेशानी या अपने पदीय कर्तव्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक लोगों के हित में है, तो एक चुनौती भी है, इसलिए इसका बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ड्रोन पुलिस का कान्सेप्ट इंदौर से ही आया है। अब यह एक मिसाल बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर की ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक विकास के समन्वय को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारी सरकार विरासत से विकास के मार्ग पर चल रही है। उन्होंने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर ने जिस इंदौर को सेवा, सुशासन और जनकल्याण के जीवन मूल्यों से जोड़ा था, अपनी श्रम साधना से सींचा था, आज वही शहर नवाचार और तकनीकी प्रगति के क्षेत्र में देश के लिए उदाहरण बन रहा है। उन्होंने कहा कि विज्ञान वास्तव में सुशासन की दिशा में लोक कल्याणकारी राज्य के लिए एक वरदान साबित हो रहा है। मध्यप्रदेश सरकार तकनीक से लोगों की तकदीर बदलने, उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने और लोकसेवा का नया अध्याय लिखने के लिए प्रतिबद्ध है। आधुनिक तकनीकों का उपयोग प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने के साथ नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'डिस्ट्रिक्ट ड्रोन यूनिट' और 'इंदौर ट्रैफिक साथी' जैसे नवाचार पुलिस और प्रशासन दोनों को नई ताकत प्रदान करेंगे। आज इंदौर में हुआ यह नवाचार पुलिस और प्रशासन दोनों को बेहतर काम करने की नई ऊर्जा देगा तथा नागरिक सुविधाओं को और अधिक सुलभ एवं प्रभावी बनाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल स्मार्ट और सुरक्षित इंदौर की दिशा में एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है, जो तकनीक और सुशासन के बेहतर समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बनेगी। आज लोकार्पित ड्रोन्स कानून व्यवस्था की स्थापना में पुलिस के लिए सहायक होंगे, वहीं ट्रेफिक साथी ऐप वाहन चालकों के लिए बेहद कारगर साबित होगा। इस ऐप के जरिए वाहन चालक पार्किंग की बेहतर लोकेशन जान सकेंगे।

पुलिस कमिश्नर इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह ने कहा कि इंदौर पुलिस के बेड़े में 18 ड्रोन्स शामिल किए जा रहे हैं। अब इंदौर पुलिस भीड़ के समुचितप्रबंधन में इन अत्याधुनिक ड्रोन्स के बेहतर उपयोग करने के लिये तैयार हो गई है। इन ड्रोन्स से 2 किलोमीटर का दायरा कवर होगा। उन्होंने कहा कि अब हम न सिर्फ ट्रैफिक बल्कि अपराधों पर भी नजर रख सकेंगे। इसका प्रयोग इंदौर में रंगपंचमी पर निकली गैर और बसंत पंचमी पर भोजशाला में कानून व्यवस्था के लिए किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि इंदौर पुलिस ने 4 हजार 370 लोगों को निःशुल्क हेलमेट बांटे हैं।

इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, पूर्व मंत्री एवं विधायिका सुश्री उषा ठाकुर, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री महेन्द्र हार्डिया, विधायक श्री रमेश मेंदोला, विधायिका श्री मालिनी गौड़, विधायक श्री मधु वर्मा, विधायक श्री मनोज पटेल, विधायक श्री राकेश शुक्ला सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली हवाई अड्डे पर पकड़ा गया 2.6 किलो हाइड्रोपोनिक गांजा, तस्कर ने अपनाई नई तरकीब

नई दिल्ली/ जीएनएस। इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आइजीआइ) हवाई अड्डे पर एयर इंटेलिजेंस यूनिट ने बैंकाक से दिल्ली आए एक भारतीय यात्री को करीब 2.6 किलोग्राम उच्च गुणवत्ता वाले हाइड्रोपोनिक गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। यह यात्री अपने सूटकेस में वैक्यूम सील पैकेट्स में यह हाइड्रोपोनिक गांजा छुपाकर लाया था। उसे टीम ने उस समय पकड़ा जब वह हवाई अड्डे की ग्रीन चैनल पार करने की कोशिश में था। वहीं मई माह में अब तक कस्टम ने तस्करी के चार बड़े मामलों को पकड़ा है, जिसमें कुल 103 किलोग्राम गांजा बरामद की है और पांच तस्करों को गिरफ्तार किया है। कस्टम अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई 29 मई को की गई। बैंकाक से इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1064 द्वारा दिल्ली पहुंचे एक भारतीय यात्री पर अधिकारियों को शक हुआ। जैसे ही यात्री कस्टम के ग्रीन चैनल (जहां से बिना घोषित सामान वाले यात्री निकलते हैं) को पार कर आगे बढ़ा, सतर्क अधिकारियों ने उसे रोक लिया। जब यात्री के सूटकेस की गहनता से जांच की गई, तो वह सामान्य से काफी ज्यादा भारी महसूस हुआ। इसके बाद जब अधिकारियों ने सूटकेस की बारीकी से तलाशी ली, तो वे दंग रह गए। सूटकेस के ऊपरी और निचले हिस्सों को काटकर बेहद शातिराना तरीके से गुप्त कैविटी बनाई गई थी। इन गुप्त खानों को खोलने पर उनके अंदर से वैक्यूम-सील्ड दो पैकेट बरामद हुए, जिसमें हरे रंग का नशीला पदार्थ भरा था। जांच करने पर इसकी पहचान हाई क्वालिटी हाइड्रोपोनिक गांजे के रूप में हुई, जिसका कुल वजन 2.645 किलोग्राम पाया गया। कस्टम विभाग ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर नशीले पदार्थ को जब्त कर लिया है और आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया है।

दिल्ली में मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गैंग का शार्पशूटर आशीष उर्फ डॉन गिरफ्तार

नई दिल्ली/ जीएनएस। बाहरी दिल्ली जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने एक आपरेशन में दिल्ली के बक्करवाला रूट इलाके में हुई मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ गैंग के सक्रिय सदस्य और शर्पाशूटर आशीष उर्फ डॉन (26) को गिरफ्तार कर लिया है। मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से दो-दो राउंड गोलियां चलीं। इस दौरान एक गोली हेड कांस्टेबल अजय की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिससे उनकी जान बाल-बाल बच गई। पुलिस ने आरोपित के कब्जे से एक सेमी-आटोमैटिक पिस्टल और दो खाली कारतूस बरामद किए हैं। उपायुक्त विक्रम सिंह के मुताबिक, 30 मई की रात करीब 10:15 बजे स्पेशल स्टाफ को सूचना मिली थी कि नामचीन वाहन चोर मनोज बक्करवाला का बेटा आशीष बक्करवाला अपने किसी साथी से मिलने यूईआर-2 अंडरपास के पास आने वाला है और उसके पास अवैध हथियार है। इसके बाद एसीपी वीरेंद्र दलाल के निरीक्षण और स्पेशल स्टाफ के इंचार्ज इंस्पेक्टर रोहित के नेतृत्व में एएसआई कृष्ण राठी, हेड कांस्टेबल अजय और हेड कांस्टेबल दीपक की एक टीम ने मौके पर जाल बिछाया। रात करीब 11:30 बजे जैसे ही पुलिस टीम को आरोपी आशीष आता हुआ दिखाई दिया, पुलिस ने उसे घेरकर आत्मसमर्पण करने को कहा। खुद को घिरा देख आरोपित ने भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर सीधी फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई करते हुए दो राउंड गोली चलाई और मौका देख कर आशीष को पकड़ लिया। पुलिस ने इस संबंध में मुंडका थाने में भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

विशाखापत्तनम में सड़क हादसा: खड़े ट्रक से टकराई APSRTC बस, दो महिलाओं समेत तीन की मौत

नई दिल्ली/ जीएनएस। आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले के गाजुवाका इलाके में रविवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया।

आंध्र प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की एक बस खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए।

बस के सह-चालक और दो महिलाओं की मौत- पुलिस के अनुसार, यह हादसा गाजुवाका के श्रीनगर जंक्शन के पास हुआ। बस राजमहेंद्रवरम से पार्वतीपुरम जा रही थी। विशाखापत्तनम की डीसीपी-II मैरी प्रसांति ने बताया कि बस चालक कथित तौर पर सड़क किनारे खड़े ट्रक को नहीं देख पाया और बस सीधे ट्रक से जा भिड़ी।

हादसे में बस के सह-चालक और दो महिला यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चालक समेत आठ लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं।

सभी घायलों को इलाज के लिए किंग जॉर्ज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि एक घायल को निजी अस्पताल में भर्ती किया गया है।

डीसीपी ने बताया कि बस चालक की हालत गंभीर है, जबकि अन्य घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और वे खतरे से बाहर हैं। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए गए।

हादसे के बाद आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री सत्य कुमार यादव ने अस्पताल प्रशासन और जिला अधिकारियों से बातचीत कर घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि एक-दो घायलों की सर्जरी करनी पड़ सकती है।

वहीं, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी प्रमुख वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने भी हादसे पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

मैं जनता के सामने झुकूंगा, लेकिन..., राहुल गांधी का समर्थन मिलने पर बोले अभिषेक बनर्जी

नई दिल्ली/ जीएनएस। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी पर हमला हुआ था। इस हमले के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी टीएमसी के साथ खड़े नजर आए। राहुल गांधी के समर्थन पर अभिषेक बनर्जी ने आभार जताया है।

कांग्रेस से समर्थन मिलने पर अभिषेक बनर्जी ने कहा, इंडी गठबंधन लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए एकजुट होकर भाजपा के खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा।

अभिषेक बनर्जी को मिला राहुल गांधी का साथ- राहुल गांधी के सोशल मीडिया पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अभिषेक बनर्जी ने खुद को राज्य प्रायोजित आतंक का शिकार बताया और भाजपा पर राजनीतिक हिंसा और डराने-धमकाने की राजनीति करने का आरोप लगाया।

अभिषेक बनर्जी ने एक्स पर लिखा, राहुल जी, आपके समर्थन और चिंता के लिए धन्यवाद। हम भारत की आत्मा, लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान में निहित मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट और दृढ़ हैं।

टीएमसी सांसद ने आगे बताया, पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के तहत मैं पांच देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने गया था और आतंकवाद के खिलाफ देश के पक्ष में मजबूती से खड़ा रहा।

अभिषेक बनर्जी ने आगे लिखा, आज मैं उन लोगों द्वारा फैलाए गए राजनीतिक हिंसा और राज्य प्रायोजित आतंक का शिकार हूं, जो खुद को राष्ट्रवाद का रक्षक बताते हैं। भाजपा की यही सच्चाई है।

यौन शोषण के लिए नाबालिग की तस्करी पर अब लगेगा POCSO Act, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। सुप्रीम कोर्ट ने बाल यौन शोषण और मानव तस्करी के खिलाफ एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि व्यावसायिक यौन शोषण के लिए किसी नाबालिग की तस्करी की जाती है, तो दोषियों पर कठोर पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा चलाया जाएगा।

जस्टिस जे.बी. पार्डीवाला और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने एनजीओ प्रज्वला की याचिका पर यह अहम फैसला सुनाते हुए कहा कि बाल यौन शोषण का हर मामला कानूनन गैर-सहमति वाला ही माना जाएगा।

सहमति का तर्क पूरी तरह खारिज- कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि मानव तस्करी के मामलों में पीड़ित बच्ची की सहमति का कोई अर्थ नहीं रह जाता, चाहे अपराधी ने डराने, धमकाने या बहलाने-फुसलाने जैसे हथकंडों का इस्तेमाल किया हो या नहीं।

कोर्ट का पूरा ध्यान अपराधियों की करतूतों और उनकी नीयत पर होना चाहिए। यदि पीड़ित को यह पता भी हो कि उसे वेश्यावृत्ति में धकेला जा रहा है, तब भी वह पीड़ित ही रहेगी, क्योंकि काम के हालातों को लेकर उसे धोखे में रखा जा सकता है।

कोर्ट ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 23 मानव तस्करी पर पूरी तरह रोक लगाता है और यह अधिकार सरकार के साथ-साथ निजी व्यक्तियों के खिलाफ भी लागू होता है।

पुनर्वास ही असल सशक्तिकरण- सुप्रीम कोर्ट ने जांच अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ऐसे संवेदनशील मामलों को किसी एक कानून के चश्मे से न देखें, बल्कि भारतीय न्याय संहिता और अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के साथ पोक्सो एक्ट का भी समग्रता से इस्तेमाल करें।

आखिर क्यों 66 साल पुरानी एअर इंडिया कॉलोनी का हुआ अंत?

नई दिल्ली/ जीएनएस। मुंबई में एअर इंडिया की एक लंबी और भावनात्मक कहानी अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। शहर के कलिना इलाके में फैली एअर इंडिया और इंडियन एयरलाइंस की कर्मचारी कॉलोनियां, जो करीब 184 एकड़ क्षेत्र में बनी थीं अब इतिहास का हिस्सा बनने जा रही हैं। इनमें से पहली कॉलोनी वर्ष 1955 में बनाई गई थी।

पिछले कुछ हफ्तों में यहां रहने वाले लगभग 150 परिवारों ने अपने घर खाली करना शुरू कर दिया था। इनमें ज्यादातर कर्मचारी सरकारी स्वामित्व वाली एआई इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड (एआईईएसएल) और एआई एयरपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड (एआईएएसएल) से जुड़े थे, जबकि कुछ लोग निजी एयर इंडिया में कार्यरत थे।

रविवार को अंतिम निवासी भी कॉलोनी छोड़ देंगे, जिसके बाद मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) इस जमीन का कब्जा ले लेगा।

कोल्ड ड्रिंक के पैसे मांगने पर बवाल, नालंदा में 2 पक्षों के बीच जमकर चले लाठी-डंडे; आधा दर्जन घायल

नई दिल्ली/ जीएनएस। मानपुर थाना क्षेत्र के पेढ़का गांव में शनिवार की देर रात दो पक्षों के बीच हुए मारपीट में एक पक्ष के छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

वहीं, दूसरे पक्ष के भी कुछ लोगों के घायल होने की सूचना है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है और गांव में कैंप किया जा रहा है।

घायलों में राजकुमार तथा अनीता देवी ने बताया कि विवाद की शुरुआत गांव में स्थित लड्डू कुमार की गुमटी से हुई।

आरोप है कि दूसरे पक्ष के अरशद, असलम समेत कुछ युवक वहां पहुंचे और कोल्ड ड्रिंक लेने के बाद पैसे देने से इनकार कर दिया। इस बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई।

जान से मारने की धमकी

पक्ष का आरोप है कि शोर सुनकर जब अन्य लोग बीच-बचाव के लिए पहुंचे तो दूसरे गुट के लोग लाठी-डंडे, लोहे की रॉड, साइकिल की चेन और अन्य हथियारों के साथ पहुंच गए तथा हमला कर दिया। आरोप यह भी है कि कुछ लोगों के पास कट्टा और पिस्तौल भी था तथा वे जान से मारने की धमकी दे रहे थे।

घटना में घायल गौरा देवी, मंगल, लड्डू कुमार, राजकुमार, अनीता देवी और रिंकू देवी को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्राथमिक उपचार के बाद मंगल और लड्डू कुमार की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए पावापुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहीं दूसरे पक्ष के घायलों का इलाज विभिन्न निजी अस्पतालों में कराए जाने की सूचना है।

गुरिंदरवीर सिंह, आम और गर्मी- प्रधानमंत्री मोदी की 'मन की बात' में क्या-क्या शामिल

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मन की बात रेडियो कार्यक्रम में देश के सामने अपनी बातों को रखा। पीएम मोदी ने शुरुआत 134वें एपिसोड की शुरुआत हाल ही में हुए नेशनल एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पटीशन से किया। उन्होंने इस दौरान एथलीट गुरिंदरवीर सिंह, अनिमेष कुजूर से बात की। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही झारखंड के रांची में हुए सीनियर एथलेटिक्स कॉम्पटीशन में करीब 800 एथलीट्स ने हिस्सा लिया।

इसमें कुल मिलाकर चार राष्ट्रीय रिकॉर्ड टूटे। पीएम ने कहा कि वह इन सभी एथलीट्स को इसके लिए बधाई देना चाहते हैं। इसके बाद प्रधानमंत्री ने दोनों एथलीट्स से बात की और उनकी जर्नी के बारे में जाना। पीएम ने गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर का जिक्र करते हुए कहा कि हमने संगीत में जुगलबंदी देखी है कि एक चुनौती दे और दूसरी उठा ले। फिर तीसरी बार कर ले। लेकिन अनिमेष कजूर और गुरिंदरवीर सिंह ने एथलेटिक्स के क्षेत्र में ऐसा करके देश का नाम रोशन किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में पड़ रही भीषण गर्मी को लेकर भी देश वासियों के सामने अपनी पुरानी अपील को दोहराया। उन्होंने कहा, ÷मेरे प्यारे देशवासियों, इस समय देश के ज्यादातर हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। तेज धूप, गर्म हवाएं चल रही हैं। ऐसे में मौसम में सभी को अपना ध्यान रखने की जरूरत है।

पानी पीते रहिए। धूप में अगर निकलना ही पड़े तो थोड़ा संभल कर निकलिए। सरकार ने देश भर के लिए जो गाइडलाइंस दी हैं। उनको भूलिएगा नहीं। पीएम मोदी ने कहा, साथियों हमारे यहां गर्मी से लड़ने का तरीका कई बार हमारी रसोइयों में भी मिल जाता है। आपने देखा होगा जैसे-जैसे गर्मी बढ़ती है। वैसे-वैसे घर की रसोई का स्वाद बदल जाता है। रसोई का प्रकार भी बदल जाता है।

कहीं मटके का पानी निकल आता है, कहीं दही जमने लगता है, तो कहीं आम उबलने लगता है और फिर शुरू होता है देशी पेय का दौर... देशी पेय से आप सभी भी परिचित होंगे। उत्तर भारत में आप जाएंगे तो आपको आम पन्न मिलेगा। कच्चे आम का स्वाद और गर्मी से राहत। पंजाब और हरियाणा में लस्सी मिल जाएगी। बड़े गिलास वाली लस्सी। राजस्थान और गुजरात में छाछ। बिहार झारखंड में सत्तू का शरबत, उसकी तो बात कही क्या है। पेट भी भरे और ताकत भी दे। इसके बाद पीएम मोदी ने देश के अन्य हिस्सों के प्रमुख शीतल पेय पदार्थों का जिक्र करते हुए उन्हें भारत की एकता का परिचायक बताया। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में देश में पैदा होने वाली तमाम आम की किस्मों का भी जिक्र किया।

वीकेंड स्पेशल चेकिंग में इंदौर पुलिस का बड़ा एक्शन, 604 बदमाशों पर कार्रवाई

नशे में वाहन चलाने वालों पर कसा शिकंजा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए इंदौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा वीकेंड पर विशेष सरप्राइज चेकिंग और पेट्रोलिंग अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में 30-31 मई की रात शहर के चारों जोन में वरिष्ठ अधिकारियों और थाना प्रभारियों के नेतृत्व में व्यापक कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान गुंडे-बदमाशों, आदतन अपराधियों, नशाखोर वाहन चालकों और अवैध गतिविधियों में संलिप्त तत्वों पर पुलिस ने सख्ती दिखाई।

देर रात तक चली इस कार्रवाई में बड़ी संख्या में संदिग्धों और अपराध प्रवृत्ति के लोगों की जांच की गई। कुल 604 बदमाशों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। विभिन्न मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 207 वारंट तामील कराए गए, जिनमें स्थायी, गिरफ्तारी और जमानती वारंट शामिल हैं।

यातायात नियमों के उल्लंघन और शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। शराब के नशे में वाहन चलाने वाले 195 चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई, जबकि मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 185 प्रकरण दर्ज किए गए। इसके अलावा तीन सवारी बैठाकर वाहन चलाने वालों, अवैध रूप से हूटर लगाने वाले वाहनों तथा ब्लैक फिल्म लगी कारों पर भी चालानी कार्रवाई की गई। पुलिस ने 55 वाहनों से ब्लैक फिल्म हटवाई और वाहन चालकों को कड़ी चेतावनी दी।

अवैध हथियारों के खिलाफ अभियान में थाना कनाड़िया पुलिस ने बंगाली कॉलोनी निवासी आरोपी अनिकेत चौहान को एक अवैध देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। वहीं थाना द्वारकापुरी और कनाड़िया पुलिस ने एक-एक आरोपी को गुप्ती और अवैध तलवार के साथ पकड़कर कार्रवाई की।

अवैध शराब और नशे के खिलाफ भी पुलिस ने कार्रवाई की। थाना आजाद नगर और राजेंद्र नगर क्षेत्र में अवैध देशी शराब जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीते मिले 11 लोगों तथा गांजा सेवन करते पाए गए चार आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई।

पुलिस ने आदतन अपराधियों और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करते हुए 125 लोगों पर विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की। सक्रिय अपराधियों को थानों में बुलाकर उनके डोजियर भरवाए गए और भविष्य में अपराध न करने की सख्त हिदायत दी गई।

अभियान के दौरान हॉटस्पॉट, मल्टियों और शैडो एरिया में विशेष निगरानी रखी गई। ड्रोन पेट्रोलिंग के माध्यम से संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी की गई और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी गई। पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में भ्रमण कर नागरिकों से संवाद भी किया तथा उन्हें साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, नशे के दुष्परिणाम और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

इंदौर पुलिस का कहना है कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए इस प्रकार की विशेष चेकिंग और कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

जोन-2 पुलिस का विशेष अभियानः यातायात जागरूकता के साथ बच्चों की सुरक्षा पर भी जोर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा नागरिकों में सुरक्षा एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जोन-2 पुलिस द्वारा विशेष सुरक्षा, यातायात जागरूकता एवं बाल सुरक्षा अभियान संचालित किया गया। अभियान को नागरिकों का व्यापक समर्थन मिला, वहीं बच्चों के लिए चलाए गए ÷स्मार्ट एंड सेफ चाइल्ड÷ अभियान ने विशेष आकर्षण का केंद्र बनाया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह के निर्देशन में जोन-2 के विभिन्न थाना क्षेत्रों में यह अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान विभिन्न चेकिंग पॉइंट्स पर वाहन चालकों की सघन जांच की गई। दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का नियमित उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की शपथ भी दिलाई गई।

थाना परदेशीपुरा क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान के दौरान वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन का संकल्प दिलाया गया। वहीं थाना खजराना क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से संदिग्ध व्यक्तियों की विशेष जांच की गई। बेवजह घूमते पाए गए 35 से अधिक संदिग्धों को थाने लाकर पूछताछ की गई तथा उनके आपराधिक रिकॉर्ड का सत्यापन किया गया। इसके आधार पर आवश्यक वैधानिक एवं प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई। साथ ही थाना खजराना में गुंडा परेड आयोजित कर संबंधित व्यक्तियों के डोजियर भी भरवाए गए।

इसी दौरान इंदौर पुलिस ने बच्चों की सुरक्षा और जागरूकता को लेकर ÷स्मार्ट एंड सेफ चाइल्ड÷ अभियान चलाया। अभियान के तहत सी-21 मॉल, मॉल्हार मेगा मॉल सहित शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर बच्चों और उनके अभिभावकों से संवाद किया गया। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने बच्चों को मित्रवत वातावरण में सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी तथा उन्हें माता-पिता के मोबाइल नंबर, घर का पता और डायल-112 जैसे आपातकालीन सहायता नंबर याद रखने के लिए प्रेरित किया।

इंदौर का कालाकुंड गांव बनेगा आदर्श टूरिस्ट डेस्टिनेशन, पर्यटन और होमस्टे को मिलेगा बढ़ावा; चौपाल में 4 नई पुलिया को मंजूरी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के दूरस्थ और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर कालाकुंड ग्राम को अब आदर्श पर्यटक ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए होमस्टे योजना को बेहतर किया जाएगा। शुक्रवार रात आयोजित रात्रि ग्राम चौपाल कार्यक्रम के तहत कलेक्टर शिवम वर्मा कालाकुंड पहुंचे और ग्रामीणों से सीधा संवाद कर क्षेत्र की समस्याओं, आवश्यकताओं और विकास संभावनाओं को समझा। इस दौरान उन्होंने गांव को कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की सौगात भी दी।

ग्राम चौपाल का आयोजन-सुशासन और संवेदनशील प्रशासन के तहत कालाकुंड में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कलेक्टर ने कालाकुंड की प्राकृतिक वादियों, हरियाली और प्रसिद्ध दूध उत्पाद कलाकंद की विशेष पहचान का उल्लेख करते हुए इसे पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कालाकुंड को आदर्श पर्यटक ग्राम के रूप में विकसित किया जाए और यहां संचालित होमस्टे योजना को अधिक प्रभावी बनाया जाए। ग्रामीणों को प्रशिक्षण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया।

ग्रामीणों की मांगों पर कलेक्टर ने खंडवा रोड से कालाकुंड ग्राम पंचायत तक आवागमन सुगम बनाने के लिए चार नई पुलियाओं के निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार कर शीघ्र कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। साथ ही आंगनवाड़ी भवन निर्माण, चोरल नदी पर स्थित 10 स्टाप डैमों की सफाई कर उनकी जलधारण क्षमता बढ़ाने तथा दो नए तालाबों के निर्माण को मंजूरी दी गई। संबंधित अधिकारियों को इन कार्यों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर ने ग्रामीणों से टीकाकरण, शिक्षा की गुणवत्ता, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं को लेकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और जल स्रोतों के संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। चौपाल के दौरान कलेक्टर ने बच्चों को शैक्षणिक सामग्री वितरित की और ग्राम में संचालित होमस्टे व्यवस्थाओं का निरीक्षण भी किया।

विश्व कल्याण के लिए भारत का विश्वगुरु बनना आवश्यक : अशोक अग्रवाल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मालवा प्रांत के संघ शिक्षा वर्ग (व्यवसायी) का प्रकट उत्सव रविवार को स्थानीय छत्रपति शिवाजी स्टेडियम ग्राउंड में भव्य एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षार्थियों द्वारा 15 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान सीखे गए विभिन्न शारीरिक एवं घोष कार्यक्रमों का प्रभावी प्रदर्शन किया गया। साथ ही समाज द्वारा ईंधन बचत और सामूहिक परिवहन के प्रति दिखाई गई जागरूकता भी कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता के चित्र पर पुष्प अर्पण के साथ हुआ। मुख्य अतिथि सामाजिक चिंतक गोवर्धनलाल गुवाहाटिया तथा मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मध्य क्षेत्र कार्यवाह अशोक अग्रवाल रहे। मंच पर वर्ग सर्वाधिकारी प्रवीण सैनी एवं जिला संघ चालक हुकम धनगर भी उपस्थित थे।

प्रकट उत्सव में शिक्षार्थियों ने पूर्ण गणवेश में योग, दंड-योग, समता, आसन, व्यायाम तथा विभिन्न शारीरिक रचनाओं का प्रदर्शन किया। वर्ग की विभिन्न वाहिनियों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों में अनुशासन, सामूहिकता और दक्षता का उत्कृष्ट समन्वय देखने को मिला। सामूहिक गीत एवं घोष दल की प्रस्तुति ने उपस्थित जनसमूह को विशेष रूप से प्रभावित किया। घोष वादन के साथ निर्मित विविध चालित आकृतियों ने कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया।

वर्ग कार्यवाह राधेश्याम पाटीदार ने 15 दिवसीय वर्ग का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि गोवर्धनलाल गुवाहाटिया ने अपने संबोधन में संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संघ स्थापना काल से ही राष्ट्रभक्ति और सामाजिक समरसता के लिए कार्य कर रहा है तथा भविष्य में भी समरस भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्य वक्ता अशोक अग्रवाल ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने स्थापना काल से ही समाज संगठन और व्यक्ति निर्माण का कार्य कर रहा है। संघ का उद्देश्य केवल संगठन खड़ा करना नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति में संस्कार, चरित्र और राष्ट्रभक्ति का भाव जागृत करना है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति संस्कारित होगा तो परिवार, समाज और राष्ट्र भी सशक्त बनेंगे।

अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में विश्व महामारी, युद्ध, पर्यावरण संकट और सामाजिक विघटन जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में भारतीय संस्कृति के ÷वसुधैव कुटुम्बकम÷ के संदेश और आध्यात्मिक मूल्यों की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि विश्व कल्याण के लिए भारत का विश्वगुरु बनना आवश्यक है तथा भारत अपनी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक शक्ति के आधार पर विश्व का नेतृत्व कर सकता है।

उन्होंने संघ द्वारा प्रतिपादित पंच परिवर्तन–परिवार प्रबोधन, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्यों के पालन और स्वदेशी भाव–को समाज जीवन में अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक को स्वयं, परिवार, समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए, तभी भारत विश्व कल्याण के अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकेगा।

कार्यक्रम की एक विशेष उपलब्धि ईंधन संरक्षण और सार्वजनिक परिवहन के प्रति समाज की सकारात्मक भागीदारी रही। संघ के आह्वान पर जिले एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक बसों और अन्य सार्वजनिक साधनों से कार्यक्रम में पहुंचे। कई गांवों के लोगों ने समूह बनाकर एक ही वाहन से यात्रा की, जबकि नगर के अनेक नागरिक पैदल अथवा सामूहिक परिवहन का उपयोग कर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इससे न केवल ईंधन की बचत हुई, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता का भी प्रभावी संदेश गया।

प्रकट उत्सव में बड़ी संख्या में स्वयंसेवक, मातृशक्ति, प्रबुद्धजन एवं नगरवासी उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में अनुशासन, राष्ट्रभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और संगठन शक्ति का प्रभावी प्रदर्शन देखने को मिला। संघ शिक्षा वर्ग का यह प्रकट उत्सव केवल प्रशिक्षण प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि संगठित समाज, पर्यावरण संरक्षण, ईंधन बचत और सामूहिक जीवन मूल्यों का भी सशक्त संदेश देकर संपन्न हुआ।

इंदौर-मुंबई हाईवेः खलघाट क्षेत्र में नर्मदा नदी पर बनेगा नया पुल, यातायात का कम होगा दवाब

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर से मुंबई को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-52 (एनएच-52) को सिक्स लेन में बदलने को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) डीपीआर बनाने में लगा है। यह रिपोर्ट दिसंबर 2026 तक एनएचएआइ मुख्यालय को सौंपी जाएगी।

परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा खलघाट क्षेत्र में नर्मदा नदी पर एक नए समानांतर पुल का निर्माण है। वर्तमान में यहां दो पुल मौजूद हैं। इनमें से करीब 40 वर्ष पुराना पुल भविष्य में स्थानीय और ग्रामीण यातायात के लिए उपयोग किया जाएगा। जबकि वर्ष 2010 में बने पुल के साथ एक नया तीन लेन का समानांतर पुल बनाया जाएगा। दोनों पुलों पर अलग-अलग दिशाओं में वाहनों की आवाजाही होगी, जिससे यातायात का दबाव काफी कम होगा और लंबी दूरी के यात्रियों को राहत मिलेगी। सड़क सुरक्षा को भी इस परियोजना में विशेष प्राथमिकता दी गई है। मार्ग पर ब्लैक स्पाट को चिन्हित किया जाएगा। दुर्घटना संभावित ब्लैकस्पाट्स को सुधारने के लिए स्थायी उपाय किए जाएंगे। खासकर बिजासन घाट क्षेत्र में खतरनाक मोड़ों का पुन डिज़ाइन किया जाएगा। इसके साथ बेहतर जल निकासी व्यवस्था, आधुनिक रोड फर्नीचर, हाई-इंटेंसिटी साइन बोर्ड और उन्नत ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम लगाए जाएंगे।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल ने रचा नया कीर्तिमान, एक दिन में 66 क्रैक ट्रेनों का सफल परिचालन

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल ने माल परिवहन के क्षेत्र में उत्कृष्ट परिचालन दक्षता का प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मंडल ने 30 मई 2026 को एक ही दिन में सर्वाधिक 66 क्रैक ट्रेनों का सफल परिचालन कर नया रिकॉर्ड बनाया। इसके साथ ही 54.1 प्रतिशत क्रैक रेशियो हासिल करते हुए मंडल ने अपने पूर्व के सभी रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए हैं।

यह उपलब्धि मंडल रेल प्रबंधक अश्वनी कुमार के कुशल मार्गदर्शन में परिचालन विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। वाणिज्य, सिग्नल एवं दूरसंचार, संरक्षा, सुरक्षा, यांत्रिक और इंजीनियरिंग विभागों के बीच बेहतर तालमेल ने इस सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार द्वारा जारी जानकारी के अनुसार इससे पहले एक दिन में सर्वाधिक 64 क्रैक ट्रेनों के परिचालन का रिकॉर्ड 7 मई 2024 को बनाया गया था। रतलाम मंडल ने इस उपलब्धि को पीछे छोड़ते हुए 30 मई 2026 को 66 क्रैक ट्रेनों का संचालन कर नया इतिहास रच दिया। इसी प्रकार क्रैक रेशियो के क्षेत्र में भी मंडल ने उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। पूर्व में 12 मई 2026 को 52.21 प्रतिशत का सर्वश्रेष्ठ क्रैक रेशियो दर्ज किया गया था, जिसे बढ़ाकर अब 54.1 प्रतिशत तक पहुंचाया गया है।

रेलवे परिचालन में क्रैक ट्रेन उस मालगाड़ी को कहा जाता है, जिसे संचालन के दौरान किसी क्रू चेंजिंग प्वाइंट या क्रू लॉबी को बाईपास करते हुए बिना रेक विभाजन और अनावश्यक यार्ड रुकावट के सीधे अगले मंडल या जोन तक पहुंचाया जाता है। इस प्रणाली से मालगाड़ियों की गति बढ़ती है और नेटवर्क की उपलब्ध क्षमता का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होता है।

क्रैक ट्रेनों के बढ़े हुए परिचालन से मालगाड़ियों के ट्रांजिट समय में कमी आती है, जिससे माल निर्धारित गंतव्य तक तेजी से पहुंचता है और ग्राहकों को समयबद्ध एवं बेहतर फ्रेट सेवाएं मिलती हैं। साथ ही यार्डों में रेक पुनर्संरचना की आवश्यकता कम होने से परिचालन लागत और मानव संसाधनों की बचत होती है। वैगनों के टर्नअराउंड समय में कमी आने से रेलवे की समग्र माल परिवहन क्षमता में भी वृद्धि होती है।

रतलाम मंडल ने इस उपलब्धि के माध्यम से अपनी परिचालन क्षमता, कार्यकुशलता और आधुनिक प्रबंधन प्रणाली का परिचय दिया है। मंडल लगातार नवाचार, आधुनिक परिचालन पद्धतियों और ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण के माध्यम से माल परिवहन सेवाओं को अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार रतलाम मंडल की यह उपलब्धि न केवल पश्चिम रेलवे की माल परिवहन क्षमता को और मजबूत करेगी, बल्कि भारतीय रेलवे के माल राजस्व में वृद्धि तथा देश की लॉजिस्टिक्स दक्षता को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी।

यूके का कारोबारी और एयरपोर्ट अफसर बनकर महिला से 12 लाख ठगे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। साइबर अपराधी ने महिला को जाल में फंसा लिया और यूके का कारोबारी, एयरपोर्ट अधिकारी बनकर 12 लाख रुपये से ज्यादा की राशि हड़प ली। मल्हारगंज थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपितों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। बैंक खातों और मोबाइल नंबरों के आधार पर जांच चल रही है। पुलिस के अनुसार तेली बाखल निवासी 45 वर्षीय महिला की अमनप्रीत सिंह से फेसबुक के माध्यम से दोस्ती हुई थी। दोनों ने मोबाइल नंबर साझा कर लिए और वाट्सएप पर चैटिंग करने लगे। अमन ने लंदन में कार और मोबाइल का कारोबारी बताया था। महिला ने उसकी बातों पर विश्वास कर लिया और वह उसको भाई मानकर भावनात्मक रूप से जुड़ गई। अमन ने एक दिन उससे कहा- वह भारत आ रहा है और उसके लिए लंदन से महंगे उपहार भी लाएगा। महिला के पति और बच्चों के लिए भी उपहार लेकर आएगा। उसने कहा-परिवार को सरप्राइज देना चाहता है। इसलिए वह यह बात किसी से साझा न करे। 16 मई को अचानक अंजान नंबर से काल आया और कहा कि वह दिल्ली एयरपोर्ट से विक्रम गोस्वामी बोल रहा है। उसने अमन को विदेशी मुद्रा, सोने की घड़ियां, हार के साथ पकड़ने का दावा किया और कहा कि अमन का पार्सल भी एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने रोक लिया है, क्योंकि अमन के पास ग्रीन कार्ड नहीं है। जांच एजेंसी उसको गिरफ्तार कर जेल भेज सकती है। आरोपितों ने विदेशी मुद्रा को भारतीय मुद्रा में बदलने और टैक्स के नाम पर 12 लाख रुपये जमा करने के लिए कहा। महिला घबरा गई और उसकी बातों पर विश्वास कर स्वयं के जेवर गिरवी रखकर ठग के खाते में 12 लाख पांच हजार रुपये जमा कर दिए।

बाइक से जा रहे दंपती से युवकों ने की मारपीट, डिवाइडर में जा घुसी आरोपियों की कार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सत्यसांई चौराहे पर शनिवार रात को बाइक से जा रहे दंपती के साथ कुछ युवकों ने मारपीट कर दी। विवाद के दौरान कार सवार युवकों ने तेज रफ्तार में वाहन दौड़ाते हुए कुछ अन्य वाहनों को टक्कर मार दी और कार डिवाइडर में घुस गई। आरोपी युवकों ने खुद को सैन्यकर्मी बताते हुए धौंस जमाने की भी कोशिश की। मामले में पुलिस जांच में जुटी है।

जानकारी अनुसार शनिवार रात को महिला बाउंसर के रूप में काम करने वाली रिमझिम बारोसा अपने पति शिखर के साथ महालक्ष्मी नगर में लगे मेले से लौट रही थीं। बांबे अस्पताल के पास वाहन को कट मारने की बात को लेकर उनकी एक कार सवार युवकों से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर आरोपी युवकों ने खुद को सैन्यकर्मी बताते हुए दंपती से मारपीट कर दी। विवाद बढ़ने पर आसपास मौजूद लोग मदद के लिए पहुंचे।

इसी दौरान कार में सवार आरोपी युवकों ने वाहन तेज रफ्तार में दौड़ा दिया, जिससे कुछ वाहनों को टक्कर लगी और कार डिवाइडर में घुस गई। सूचना मिलते ही विजयनगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बांबे हॉस्पिटल के पास कट मारने को लेकर कार सवार युवकों की दंपती से कहासुनी हुई थी, जिसके बाद सत्यसांई चौराहे पर आरोपी युवकों ने दंपती का रास्ता रोक लिया और विवाद शुरू कर दिया। आरोप है कि कार में सवार पांच युवकों ने शिखर और रिमझिम के साथ मारपीट की।

विवाद और मारपीट होते देख आसपास मौजूद लोग पहुंचे और बीच-बचाव का प्रयास किया। विवाद बढ़ने पर भीड़ और युवकों के बीच में भी झड़प हो गई। इस पर कार सवार युवकों ने वाहन दौड़ाकर निकलने का प्रयास किया। इससे कुछ वाहनों को टक्कर लग गई और कार डिवाइड में घुस गई।

प्रशिक्षण कार्यकर्ता को गढ़ने की प्रक्रिया है : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी जिला इंदौर ग्रामीण द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के जिला प्रशिक्षण वर्ग का समापन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रेरक उद्बोधन के साथ संपन्न हुआ। समापन सत्र में मुख्यमंत्री ने संगठनात्मक प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रशिक्षण भाजपा की कार्यपद्धति का महत्वपूर्ण अंग है, जो कार्यकर्ता को गढ़ने और उसे संगठन के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करने योग्य बनाता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस प्रकार किसी पौधे को समय-समय पर खाद और संरक्षण की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार कार्यकर्ताओं को भी नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। प्रशिक्षण से उनके विचार, व्यवहार और कार्यों को सही दिशा मिलती है तथा संगठन के प्रति समर्पण और अधिक मजबूत होता है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा और सबसे सफल राजनीतिक संगठन है। इसकी सफलता का आधार मजबूत संगठनात्मक ढांचा, समय के अनुरूप स्वयं को ढालने की क्षमता तथा समाज के बीच निरंतर सक्रिय उपस्थिति है। भाजपा ने संघर्ष के दौर में जनआंदोलनों और सामाजिक कार्यों के माध्यम से जनता के बीच अपनी पहचान बनाई और आज सत्ता में रहते हुए भी जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा अन्य राजनीतिक दलों से इसलिए अलग है क्योंकि यहां निर्णय सामूहिकता और संगठनात्मक परंपराओं के आधार पर लिए जाते हैं। पार्टी की पहचान उसकी विचारधारा, कार्यपद्धति और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण से है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ करें तथा प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों का उल्लेख करते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित, समाजहित और अंत्योदय की भावना के साथ कार्य करता है। यही विचारधारा संगठन को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने और उसकी सेवा करने की प्रेरणा देती है।

प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिवस में भाजपा के प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह ने कहा था कि भारतीय जनता पार्टी एक विचार आधारित संगठन है, जिसकी विचारधारा सर्वोपरि है।

झांतला में पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा की पुण्यतिथि पर ग्रामीणों ने दी श्रद्धांजलि

भाजपाइयो ने संगठन को मजबूत करने का लिया संकल्प

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कानून एवं राजनीति के महारथी , भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरेंद्र कुमार सखलेचा बड़े साहब की 28 वी पुण्यतिथि के अवसर पर झांतला में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

इस अवसर पर कार्यकर्ताओ ने उनके जनसंघ के दिनों के संघर्षों ओर मूल्यों को याद करते हुए भाजपा को जमीनी स्तर पर मजबूत करने तथा जनसेवा के संकल्प को दोहराया इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री पारस कुमार जैन ने स्वर्गीय बड़े साहब सखलेचा जी को श्रद्धा सुमन अर्पित कर बताया कि अविभाजित मन्दसौर जिले के जावद क्षेत्र को भारत के राजनीतिक पटल पर चमकाने वाले नेता व मध्यप्रदेश के 10 वे मुख्यमंत्री रहे। वे जनता के बीच चौपाल लगाते थे और सवांद करते थे। पूर्व मुख्यमंत्री वीरेंद्र कुमार सखलेचा का ही प्रयास रहा कि संसदीय क्षेत्र में भाजपा ने अपनी जड़ें गहरी की संगठन में सक्रियता ओर जीवटता के कारण आज भी कार्यकर्ता उन्हें याद करता है।

इस अवसर पर पूर्व भाजपा मंडल महामंत्री राधेश्याम आडवाणी ने पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय वीरेंद्र कुमार सखलेचा को श्रद्धासुमन अर्पित कर बताया कि जावद विधानसभा क्षेत्र में सर्व प्रथम पशु चिकित्सालय व भवन की सौगात झांतला को उनके अर्थक प्रयासों से मिली आज झांतला को छोटी भोपाल युही नही बोला गया यह ग्राम बड़े साहब का ह्रदय स्थल रहा इसीलिये तो आज उनका मुख्य चौराहे पर उनका स्टेच्यू बनाकर उनकी प्रतिमा को लोग प्रणाम करते है ।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत झांतला के सरपंच प्रतिनिधि विनोद धाकड़ ने बड़े साहब को श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि स्वर्गीय वीरेंद्र कुमार सखलेचा भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्यों मेसे एक थे और उन्होंने जनवरी 1978 से जनवरी 1980 तक मध्यप्रदेश के 10 वे मुख्यमंत्री के रूप में राज्य की सेवा की जावद क्षेत्र के मूल निवासी होने के कारण उनकी प्रशासनिक क्षमता और सादगी आज भी कार्यकर्ताओ के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है ।

इस मौके पर भाजपा के सक्रिय नेता एवं झांतला बूथ अध्यक्ष प्रेम चन्द्र प्रजापत ने स्वर्गीय पूर्व मुख्यमंत्री सखलेचा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए बताया कि आज हमारे बड़े साहब को सच्ची श्रद्धांजलि तभी सफल हो सकती कि आगामी चुनाव से पूर्व हम हमारे प्रत्येक बूथ पर भाजपा को सशक्त व मजबूत बनाकर ओर प्रदेश में संचालित जनकल्याणकरी योजनाओं को जन जन तक पहुचाने का संकल्प लेना होगा।

आज हम सब समस्त क्षेत्रवासी बहुत ही भाग्यशाली है कि बड़े साहब स्वर्गीय वीरेंद्र कुमार सखलेचा के सुपुत्र एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक ओमप्रकाश सखलेचा जो विगत दो दशक से भी ज्यादा समय से जावद विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करना कोई बच्चों का खेल नही आज इनका क्षेत्र में चहु मुखी विकास मुह बोलता है , यह हम सबके लिए बहुत ही गर्व की बात है श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने सर्व प्रथम बड़े साहब की प्रतिमा पर बारी से बारी से माल्यार्पण, दिप प्रज्वल्लित कर जब तक सूरज चांद रहेगा तब तक बड़े साहब सखलेचा जी आपका नाम रहेगा , चप्पा चप्पा भाजपा के नारे बुलंद किये।

कार्यक्रम के दौरान बद्रीलाल धाकड़, जगन्नाथ धाकड़, भगवान लाल बलाई, पप्पू राव, बाबूलाल धाकड़ , सुनील सुथार, शंकरलाल धाकड़ सहित भाजपा के गणमान्य नागरिक एवं समस्त पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नेशनल मीडिया फाउंडेशन द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर ग्वालियर में राज्य स्तरीय सेमिनार का आयोजन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल मीडिया फाउंडेशन नई दिल्ली द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून 2026 को 55वा राज्य स्तरीय एक सेमिनार का आयोजन मध्यप्रदेश के ग्वालियर में किया जा रहा है जिसमें पर्यावरण संरक्षण, समाज सेवा एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा। विश्व पर्यावरण दिवस पर नेशनल मीडिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राजेंद्र जैन भोपाल एवं प्रांतीय अध्यक्ष श्री नरेंद्र अग्रवाल मंदसौर के सानिध्य में प्रतिवर्ष मध्य प्रदेश में आयोजन किया जा रहा है।ग्वालियर के चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में मध्य प्रदेश के सरकार के जनप्रतिनिधियों के आतिथ्य में संध्या 4 बजे कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। जिसमें मध्य प्रदेश के अनेक जिलों से पर्यावरणविद समाजसेवा एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य करने वाले 300 से अधिक प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। इस आशय की जानकारी देते हुए नेशनल मीडिया फाउंडेशन के प्रदेश सह सचिव संजय वर्मा , उज्जैन संभागीय अध्यक्ष ओमप्रकाश पाल,मंदसौर जिलाध्यक्ष निलेश शुक्ला प्रवक्ता पंकज राठौर ने बताया कि नेशनल मीडिया फाउंडेशन पत्रकारों के हितों की रक्षा करने वाला देश का सबसे बड़ा पत्रकार संगठन है संगठन के माध्यम से प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार का आयोजन किए जाते हैं द्य और पर्यावरण दिवस पर राज्य स्तरीय आयोजन होते हैं जिसके तहत इस वर्ष 5 जून 2026 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में आयोजन रखा गया है।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर वरिष्ठ पत्रकार रमेश तेलकार का सम्मान, छह दशक से पत्रकारिता व समाचार वितरण से जुड़े तेलकार युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार को पिपलिया मंडी नगर में वरिष्ठ पत्रकार रमेश तेलकार का कांग्रेसजनों ने सम्मान किया। इस अवसर पर उनका साफा पहनाकर, श्रीफल, पुष्पमाला एवं कलम भेंट कर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में मल्हारगढ़ ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि 74 वर्षीय रमेश तेलकार का जीवन संघर्ष, कड़ी मेहनत, ईमानदारी और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तेलकार ने मात्र 15 वर्ष की आयु में समाचार पत्र वितरण का कार्य प्रारंभ किया था। वे निरंतर पत्रकारिता और समाचार पत्र वितरण से जुड़े हुए हैं। शर्मा ने बताया कि करीब छह दशक से तेलकार स्वयं घर-घर और दुकान-दुकान जाकर समाचार पत्र पहुंचाने का कार्य करते रहे हैं। अपने लंबे पत्रकारिता जीवन में उन्होंने अनेक उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन निष्पक्ष और स्वच्छ पत्रकारिता के मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 1970 के आसपास जब तेलकार ने पत्रकारिता की शुरुआत की थी, तब संसाधनों का अत्यंत अभाव था। समाचार हाथ से लिखकर बसों के माध्यम से अखबार कार्यालयों तक भेजे जाते थे और समाचार पत्रों की छपाई रोटरी मशीनों पर होती थी। कठिन परिस्थितियों और तकनीकी सीमाओं के बावजूद उन्होंने पत्रकारिता के प्रति अपने समर्पण को कभी कम नहीं होने दिया। शर्मा ने कहा कि आज भी तेलकार प्रतिदिन सुबह चार बजे उठकर समाचार पत्र वितरण व्यवस्था पर स्वयं नजर रखते हैं। वर्तमान में अनेक दैनिक समाचार पत्रों का कार्य उनके मार्गदर्शन में चल रहा है। सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए रमेश तेलकार ने कहा कि पत्रकारिता केवल समाचार लिखने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने और जनहित के मुद्दों को सामने लाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि पत्रकार को सदैव निष्पक्षता, सत्यता और सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित रहना चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश कांग्रेस के संयुक्त सचिव मुकेश निडर, नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष चौथमल गुप्ता, वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिनेश गुप्ता काचरिया, नगर कांग्रेस अध्यक्ष किशोर उणियारा, भेरूपप्पू गुर्जर सहित कई कांग्रेस कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सिंगोली स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के तहत नदी किनारे घाटों का बदला स्वरूप, रंग-बिरंगी पुताई से आमजन में खुशी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ भारत मिशन को धरातल पर उतारने के लिए नगर परिषद सिंगोली ने कमाल कर दिखाया है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के तहत नगर की नदी किनारे स्थित घाटों की जीर्णोद्धार और रंगाई-पुताई का काम तेजी से चल रहा है। पहले जो घाट उपेक्षा के शिकार थे, अब वो इंद्रधनुषी रंगों से सजकर सिंगोली की शान बन गए हैं।

घाटों पर बिखरे 5 रंग, बिखर रही पॉजिटिविटी - नगर परिषद द्वारा कराए जा रहे कार्य में घाटों की सीढ़ियों को पीले, नीले, गुलाबी, नारंगी और सफेद रंगों से पेंट किया गया है। हर सीढ़ी अलग रंग में चमक रही है। साथ ही दीवारों पर स्वच्छ भारत सर्वेक्षण-2025-26 और नगर परिषद सिंगोली (म.प्र.) लिखा गया है। दीवारों पर स्वच्छता के संदेश भी उकेरे गए हैं-सभी रोगों की एक दवाई, हर जगह रखो साफ सफाई आओ फिर एक बदलाव करें, देश का कोना कोना साफ करें आमजन बोले - सिंगोली बदलेगी, तभी देश बदलेगा- नदी घाट का बदला हुआ स्वरूप देखकर स्थानीय लोग नगर परिषद की सराहना कर रहे हैं। सुबह-शाम टहलने आने वाले लोगों का कहना है कि अब घाट पर बैठना अच्छा लग रहा है। महिलाएं और बच्चे रंगीन सीढ़ियों के साथ फोटो खिंचवा रहे हैंएक स्थानीय नागरिक ने कहा, पहले ये घाट गंदगी से भरे रहते थे। अब नगर परिषद ने रंगाई-पुताई करके इसे तीर्थ जैसा बना दिया। स्वच्छता सर्वेक्षण में सिंगोली का नाम रोशन होगा।

नगर परिषद का संकल्प - नगर परिषद के अध्यक्ष सुरेश (भाया) जैन एवं सीएमओ कपील राजावत ने बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में टॉप रैंक लाने के लिए पूरे शहर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नदी किनारे घाटों की सुंदरता के साथ-साथ सफाई पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। क्लीन सिंगोली, ग्रीन सिंगोली के ये पहल की गई है।

अब बारी है आमजन की - नगर परिषद ने अपील की है कि रंगाई-पुताई को संजोकर रखें। कचरा नदी या घाट पर न फेंकें। तभी सिंगोली स्वच्छता सर्वेक्षण में अव्वल आएगा।

जावद में मनाई गई पूर्व मुख्यमंत्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा की 27वीं पुण्यतिथि

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय श्री वीरेन्द्र कुमार सखलेचा की 27वीं पुण्यतिथि जावद में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के पूर्व एमएसएमई मंत्री एवं जावद विधानसभा के विधायक ओम प्रकाश सखलेचा ने भी सभा स्थल पहुंचकर अपने पूज्य पिताजी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया।

बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे। सभी ने स्व. सखलेचा के व्यक्तित्व, संगठन के प्रति निष्ठा और जनसेवा को याद किया। वक्ताओं ने उन्हें जनसंघ से भाजपा तक के सफर में अहम भूमिका निभाने वाले मार्गदर्शक नेता बताया। वीरेन्द्र कुमार सखलेचा मध्यप्रदेश की राजनीति में एक सशक्त नाम रहे हैं और उनका जीवन संगठन निर्माण व जनहित के कार्यों के लिए समर्पित रहा।

लसोड़ परिवार ने करवाया दिवंगत श्री मांगीलाल जी का नेत्रदान

दानों में सर्वश्रेष्ठ- मृत्यु के बाद भी दो जिंदगियों में रोशनी

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। धीरे-धीरे ही सही, पर समाज अब नेत्रदान के महत्व को समझ रहा है। लोग चाहने लगे हैं कि मृत्यु के बाद भी वे किसी के काम आ सकें। इसी सोच के साथ मरणोपरांत नेत्रदान की प्रवृत्ति लगातार बढ़ रही है। नेत्रदान को सभी दानों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है, क्योंकि एक व्यक्ति की आंखों से दो जिंदगियां रोशन होती हैं। जो जन्म से अंधेरे में जी रहा है, उसकी आंखों में उजाला लौट आए ङ्क इससे बड़ा पुण्य क्या होगा।

ऐसा ही एक अनुकरणीय कार्य रविवार को सिंगोली में देखने को मिला। लसोड़ परिवार ने दिवंगत श्री मांगीलाल जी लसोड़ की इच्छा और परिजनों की सहमति से मरणोपरांत नेत्रदान करवाकर मानवता की मिसाल पेश की।

सुबह 8 बजे हुई कॉर्निया कलेक्शन की प्रक्रिया- स्व. मांगीलाल जी के देहावसान की सूचना मिलते ही प्रातः 8 बजे गोमबाई नेत्रालय, नीमच की विशेष टीम सिंगोली पहुंची। नेत्रदान की वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत टीम ने दिवंगत का कॉर्निया सफलतापूर्वक कलेक्ट किया। यह कॉर्निया अब दो नेत्रहीन लोगों की आंखों में रोशनी लाएगा।

बेटों ने निभाई पिता की अंतिम इच्छा- स्व. मांगीलाल जी के सुपुत्र राजेशकुमार, निलेशकुमार और अरुणकुमार ने बताया कि उनके पिताजी बहुत धार्मिक और परोपकारी स्वभाव के थे। उन्होंने जीवनकाल में ही परिवार से कह रखा था कि मृत्यु के बाद उनकी आंखें किसी जरूरतमंद को दान कर दी जाएं। पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए तीनों भाइयों ने बिना देर किए नेत्रदान की स्वीकृति दे दी।

परिवार ने गोमबाई नेत्रालय और डॉक्टर टीम को धन्यवाद देते हुए कहा, पिताजी शरीर से चले गए, पर उनकी आंखें अब दो लोगों की दुनिया देखेंगी। यही उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है।

गोमबाई नेत्रालय ने किया सम्मान- इस पुनीत कार्य के लिए गोमबाई नेत्रालय ने लसोड़ परिवार को प्रशस्ति-पत्र भेंट कर सम्मानित किया। संस्था ने परिवार की उदारता, संवेदनशीलता और मानवता के प्रति समर्पण की सराहना की।

संस्था ने समाज से अपील की है कि हर व्यक्ति नेत्रदान का संकल्प ले। आपके जाने के बाद भी आपकी आंखें किसी का जीवन बदल सकती हैं। नेत्रदान करें, अंधकार मिटाएं।

शिवनारायण सेन चुकनी को केश कला शिल्पी प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर समाजजनों एवं कांग्रेस में हर्ष की लहर, जगह-जगह हुआ स्वागत-सत्कार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री जीतू पटवारी जी के निर्देशानुसार एवं संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले जी की सहमति से, केश कला शिल्पी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष श्री रामबाबू श्रीवास जी द्वारा गांधीवादी कांग्रेस नेता एवं जिला युवा सेन समाज संगठन के जिला सचिव श्री शिवनारायण सेन चुकनी को केश कला शिल्पी प्रकोष्ठ, जिला नीमच का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। श्री सेन की नियुक्ति की खबर मिलते ही समूचे सेन समाज एवं कांग्रेसजनों में हर्ष की लहर दौड़ गई। नियुक्ति की घोषणा के बाद से ही जिले भर में जगह-जगह उनका भव्य स्वागत, सत्कार एवं अभिनंदन किया जा रहा है। समाजजनों एवं कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों ने पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

इस अवसर पर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष श्री शिवनारायण सेन ने शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा, माननीय श्री जीतू पटवारी जी, डॉ. संजय कामले जी एवं श्री रामबाबू श्रीवास जी, जिला अध्यक्ष श्री तरूण जी बाहेती, वरिष्ठ आमंत्रित सदस्य, पुर्व जिलाध्यक्ष (जिला सेन समाज संगठन नीमच) एडवोकेट श्री दीपक जी गेहलोद मनासा आपने मुझ पर जो विश्वास जताया है, उसके लिए मैं कृतज्ञ हूँ। मेरा प्रयास रहेगा कि सेन समाज के अंतिम व्यक्ति तक संगठन की आवाज पहुँचे और कांग्रेस पार्टी की नीतियों को घर-घर तक लेकर जाऊँ। नीमच जिले में प्रकोष्ठ को और अधिक मजबूत बनाना मेरी प्राथमिकता रहेगी।

श्री सेन की नियुक्ति पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्षों, सेन समाज के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों, वरिष्ठ कांग्रेसजनों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त कर बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

रोटरी क्लब मंदसौर के स्वर्णिम वर्ष में बड़ी उपलब्धि, 40 लाख अत्याधुनिक कार्डियक एम्बुलेंस मंदसौर को मिलेगी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रोटरी क्लब मंदसौर ने अपने स्वर्णिम वर्ष (50वें वर्ष) में सेवा के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है। रोटरी फाउंडेशन द्वारा क्लब को लगभग 40 लाख रुपये का ग्लोबल ग्रांट प्रोजेक्ट स्वीकृत हुआ है। इस राशि से रोटरी क्लब मंदसौर द्वारा नगर और अंचल के नागरिकों के लिए एक सर्वसुविधायुक्त, अत्याधुनिक कार्डियक एम्बुलेंस (हृदय रोगियों के लिए जीवन रक्षक वाहन) उपलब्ध कराई जा रही है। यह अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट रोटरी क्लब मंदसौर द्वारा इंटरनेशनल पार्टनर रोटरी क्लब ऑफ मेट्रो कुआलालंपुर (मलेशिया) के सहयोग से संभव हो पाया है। इस पुनीत कार्य हेतु होम दानदाता के रूप में श्री रणछोड़ प्रसाद गनेड़ीवाल की पुण्य स्मृति में श्री प्रदीप गनेड़ीवाल द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया गया है।

रोटरी क्लब द्वारा यह अत्याधुनिक कार्डियक एम्बुलेंस ÷सर्वजनहित श्री गौतम मुनि जैन सामाजिक एवं शैक्षणिक समिति÷ को प्रदाय की जा रही है। समिति द्वारा इसका संचालन ÷अनुयोग हॉस्पिटल÷ के तकनीकी सहयोग से किया जाएगा। टीम वर्क और सेवा परमो धर्म की भावना को चरितार्थ करते हुए रोटरी क्लब मंदसौर (सत्र 2025-26) के अध्यक्ष रोटे. भूपेंद्र सोनी ने इस गौरवमयी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि÷ यह मंदसौर के इतिहास में रोटरी की एक अनूठी उपलब्धि है। यह पूरे क्लब के सदस्यों के टीम वर्क और रोटरी के मूल मंत्र Service Above Self (स्वयं से ऊपर सेवा) की भावना को दिखाती है। इस कार्डिक एम्बुलेंस के आने से मंदसौर और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों को आपातकालिन स्थिति में बड़े शहरों की ओर जाते समय रास्ते में ही आईसीयू जैसी विश्वस्तरीय सुविधाएं मिल सकेंगी, जिससे कई अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकेंगी।÷ सचिव कपिल भंडारी ने इस ग्लोबल ग्रांट की स्वीकृति के लिए डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटे. सुशील मल्होत्रा एवं श्रीमती रूबी मल्होत्रा के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। साथ ही प्रोजेक्ट को सफल बनाने में निरंतर सहयोग के लिए सहायक मंडलाध्यक्ष संजय गोठी की दूरदर्शिता, कोषाध्यक्ष संजय जैन के समर्पण एवं डीआरएफसी रोटे. नितिन डफरिया के विशेष तकनीकी योगदान की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। रोटरी क्लब द्वारा इस वर्ष 2025-26 के कार्यकाल में सेवा के ऐसे और नए कीर्तिमान स्थापित किए जाते रहेंगे।

मंदसौर पुलिस ने स्मैक की बड़ी खेप पकड़ी, 20 किलो ब्राउन शुगर जब्त

पांच आरोपी में दो इंदौर व तीन प्रतापगढ़ के निवासी, 10 जून तक रिमांड पर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर पुलिस प्रशासन ने मादक पदार्थ स्मैक (ब्राउन शुगर) की धरपकड़ में अब तक की सबसे बड़ी खेप पकड़ने में सफलता दर्ज की है। 20 किलो स्मैक सहित पांच आरोपी पकड़ाए हैं, जिनमें दो इंदौर के तथा तीन प्रतापगढ़ के निवासी निकले हैं। मुख्य आरोपी प्रतापगढ़ निवासी अजीज खां फरार है, जिसके फरार होने पर तलाश की जा रही है। 20 किलो ब्राउन शुगर की अंतराष्ट्रीय कीमत करीब 40 करोड़ के आसपास आंकी गई है। मामले में तस्करों द्वारा स्मैक को प्रतापगढ़ से लाकर इंदौर ले जाया जा रहा था, तब मुखबीर सूचना पर नई आबादी थाना पुलिस ने नालछा माता मंदिर फंटा बायपास पर नाकाबंदी कर धरदबोचा। एक कार से ड्राईवर पायलेटिंग कर रहा था तो दूसरी कार में यह मादक पदार्थ छिपाकर ले जाया जा रहा था, जिसे गठित टीम ने गहरी छानबीन कर खोज निकाला है। पकड़ाए पांच आरोपियों में चार आरोपी 10 जून तक रिमांड पर हैं, वहीं महिला को जैल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई को लेकर गृह मंत्रालय और डीजीपी कैलाश मकवाना ने भी तारीफ़ की है।

पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेसवार्ता में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना ने रविवार को इसका खुलासा किया। प्रेसवार्ता में एएसपी तेरसिंह बघेल, सीएसपी जितेन्द्र भास्कर एवं नई आबादी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कुलदीपसिंह राठौड़ मौजूद रहे। यहां बताया गया कि नई आबादी पुलिस को 31 मई की रात्रि में विश्वसनीय मुखबीर से सूचना मिली। इस पर एसपी मीना ने विशेष टीम गठित की। टीम द्वारा रणनीतिक रूप से घेराबंदी कर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग करना शुरू की। इस दौरान एक कार आती दिखे, जिसे रोका गया। बाद में एक और कार आती दिखी, जिसे भी रोका गया। दूसरी कार में विशेष रूप से बनाए गए स्कीम में एक-एक किलो के 20 पैकेट मिले, जो ब्राउन शुगर होना पाए गए। पुलिस ने तस्करी व पायलेटिंग में प्रयुक्त कारों में सवार पांच आरोपियों को हिरासत में लिया। इनके कब्जे से सात मोबाईल मिले हैं, जिनमें दो महंगे फोन मिले हैं। पुलिस द्वारा प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि यह आरोपी अंतर्राज्यीय स्तर पर सक्रिय होकर मादक पदार्थ की तस्करी में लिप्त थे। गिरफ्तार आरोपियों में हेमंत पिता पूनमचंद्र वर्मा 50 वर्ष निवासी सृष्टि परिसर भानगढ़ का रोड इंदौर एवं मोना पति स्व. रमेश सेन 48 वर्ष निवासी नंदा नगर पाटनीपुरा इंदौर के अलावा राहुल पिता लक्ष्मणलाल मीणा 36 वर्ष निवासी मालीखेड़ा प्रतापगढ़, सुभाष उर्फ पिन्टू पिता भंवरलाल नाहर 46 वर्ष निवासी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी प्रतापगढ़ एवं जितेन्द्र उर्फ कारू पिता मांगीलाल मीणा 35 वर्ष निवासी माली का खेड़ा प्रतापगढ़ हैं, जिन्हें रविवार को कोर्ट में पेश किया गया। अदालत ने महिला को जैल भेजने के आदेश दिए, वहीं चार आरोपियों का 10 जून तक रिमांड मिला है। मामले में एक आरोपी अजीज उर्फ एजाज निवासी प्रतापगढ़ फरार है, जिसकी तलाश की जा रही है । इस कार्रवाई में नई आबादी थाना प्रभारी उपनिरीक्षक कुलदीपसिंह राठौड़, उपनिरीक्षक विनय बुंदेला यशोधर्मन नगर थाना, प्रधान आरक्षक आशीष बैरागी सायबर सेल, आरक्षक मनीष बघेल, सायबर सेल मंदसौर तथा नई आबादी पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा है।

आत्मनिर्भर बनेंगी ग्रामीण महिलाएं- नीमच में 3 जून से निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण प्रारंभ

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, हवाई पट्टी के सामने, विश्राम भवन के पास, चीताखेड़ा मेन रोड, नीमच द्वारा 03 जून 2026 से महिलाओं के लिए निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जा रहा है। इस 31 दिवसीय पूर्णतः आवासीय प्रशिक्षण में आवास, भोजन व नाश्ते की व्यवस्था निःशुल्क रहेगी।

पात्रता- केवल नीमच जिले के ग्रामीण अंचल की 18 से 50 वर्ष आयु वर्ग की युवतियां/महिलाएं प्रशिक्षण में भाग ले सकेगी।

प्रवेश प्रक्रिया- प्रवेश ÷पहले आओ-पहले पाओ÷ के आधार पर दिया जाएगा। पंजीयन प्रारंभ हो चुका है। आवश्यक दस्तावेज- प्रशिक्षणार्थी 4 पासपोर्ट साइज फोटो एवं 3 सेट में आधार कार्ड, बैंक पासबुक, राशन कार्ड, अंकसूची की छायाप्रति के साथ आवेदन स्वच्छ आरसेटी, हवाई पट्टी के सामने, विश्राम भवन के पास, चीताखेड़ा मेन रोड नीमच में जमा करें।

संपर्क करें- सुबह 10-30 बजे से शाम 05-30 बजे तक मो.न.9111053516 पर संपर्क किया जा सकता है। अधिक से अधिक ग्रामीण महिलाएं इस स्वरोजगारमूलक प्रशिक्षण का लाभ उठाए।

सम्पादकीय

वृद्धाआश्रमों में बुजुर्गों की तादाद बढ़ रही है आखिर ऐसा क्यों ?

भारत आदि-अनादि काल से ही संस्कारों की खान रहा है। यहां की मिट्टी में ही गॉड गिफ्टेड संस्कारों की ऐसी अदृश्य शक्ति समाई हुई है कि मानव जन्म से ही संस्कारों की प्रतिभा मानवीय जीवों में समाहित हो जाती है इसमें कोई दो राय नहीं है,जीव की उम्र बढ़ने के साथ-साथ पाश्चात्य संस्कृति की ललक अनेक अपवाद स्वरूपी मनीषियों में समाहित हो जाती है,जो बड़े बुजुर्गों का सम्मान तो नहीं परंतु अनादर करने पर उतारू हो जाते हैं? जिससे समाज में यह दूषित भावना पनपने का संदेह बना रहता है।इसलिए हम आज के युग में देख रहे हैं कि शासन- प्रशासन सामाजिक संस्थाएं, बुद्धिजीवी वर्ग, बड़े बुजुर्गों का सम्मान सुनिश्चित करने हमारी हजारों वर्ष पुरानी परंपरा,धरोहर और वैचारिक शक्तिबल को संरक्षित, सुरक्षित करने के लिए अनेक वेबिनार, कार्यक्रम, अभियान चलाए जा रहे हैं ।

साथियों बात अगर हम वर्तमान परिपेक्ष्य की करें तो हमारे बड़े बुजुर्गों का ध्यान रखनें की जवाबदारी व जिम्मेदारी युवा वर्ग की अधिक है जिन्हें भारतमाता की गोद से मिले संस्कारों को प्राथमिकता से सजग होकर रेखांकित करना अनिवार्य है। बड़े बुजुर्गों की सेवा का उन्हें मान-सम्मान देकर अत्यधिक पुण्य कमाना है। क्योंकि जब कोई बुजुर्ग निशब्द तुम्हारा तुम्हारे झुके सिर पर अपनी कंपकंपाती उंगलियां फिरादे तो समझो वरदान खुशी और आशीर्वाद एकसाथ तुम्हें यूं ही मिल गया क्योंकि बड़े बुजुर्गों में ईश्वर अल्लाह का एक रूप समाहित होता है।

साथियों बात अगर हम वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो वैश्विक स्तरपर भारत सबसे पुरानां आध्यात्मिकता में गहरीआस्था रखने वाला देश है यहां आध्यात्मिकता का विस्तार तेजी से हुआ है जो एक अच्छी बात है परंतु मेरा मानना है कि उसी तेजी के साथ मनीषियों की आस्था माता-पिता, बड़े बुजुर्गों के मान सम्मान सेवाभाव के प्रति अपेक्षाकृत कम होकर संकुचित होने के संकेत हाल के पश्चात संस्कृति की घुसपैठ के चलते मिल रहे हैं।कई परिवार टूट रहे हैं, वृद्धाआश्रमों में बुजुर्गों की तादाद बढ़ रही है आखिर ऐसा क्यों ? मैंने अनेक ऐसे मनीषियों को भी देखा है जो अपने माता-पिता बड़े बुजुर्गों से तो अलग रहते हैं, उनकी सेवा खुशी का ध्यान नहीं परंतु आध्यात्मिकता क्षेत्र में उनके नामपर बहुत बड़े सेवा भावी होंनें और आस्था का डंका बजता है यह देख मुझे बहुत हैरानी होती है

साथियों बात अगर हम ऐसे बड़े बुजुर्गों की करें जिनको अपनों ने ठुकराया है तो मैंने स्वयंम कुछ बुजुर्गों से बात की तो उनका बड़प्पन देखिए कि अपने दुख दर्द बांटने की अपेक्षा उन्होंने अपनों की तारीफ ही की,वाह क्या बात है,आप ईश्वर अल्लाह के तुल्य हैं कहकर अनायास ही मेरे हाथ उनके चरणों में झुक गए तो उनकी आंखों में आंसू आ गए।

साथियों ऐसे अनेक पीड़ित हर मेट्रोसिटी, शहर, गांव में हैं ऐसे किस्से हमें अपने शहरों में भी ज़रूर देखने को मिलते होंगे जिसे हम सब को मिलकर इस स्थिति को बदलना की ओर कदम बढ़ाना ही होगा।

साथियों बात अगर हम बड़े बुजुर्गों के वरदान खुशी और आशीर्वाद की करें तो मेरा मानना है कि इनकी आशीर्वाद वरदान इस सृष्टि में सबसे बड़ा है इसके तुल्य किसी आध्यात्मिक आस्था में आशीर्वाद वरदान नहीं होंगे बस हम मनीषियों को यह बात अपने हृदय व मस्तिष्क में फिट करनी होगी।

साथियों बात अगर हम नई पीढ़ी, युवकों की करें तो, बूढ़े व्यक्ति के पास स्मृतियां, जवान के पास कल्पनाएं हैं, यदि घर-घर दोनों का मेल बने तो कमाल हो जायेगा। धरती पर स्वर्ग उतर आयेगा, जबकि नई पीढ़ी को चाहिए माता-पिता के उत्तम गुणों के वारिस बनें, अपने बड़ों को मान दें, क्योंकि वृद्धों का जो वर्तमान है, वही युवाओं का भविष्य है। इसलिए यदि नई पीढ़ी अपने बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद वरदान लेंने, उनका देवताओं की तरह पूजन करने, मिलकर रहने, सहयोग करने की सोच अपना ले, तो घरों के अन्दर प्रेम, सद्भाव जाग जाएगा और धरती में स्वर्ग उतर आयेगा।

साथियों जरूरत है युवा-वर्ग माँ-बाप की अवहेलना न करे। बड़ों के प्रति सम्मान की भावना रहे। क्योंकि बूढ़ी आंखों में जब आंसू आते हैं, हृदय पर जब व्यंग बाण लगते हैं, शरीर काम नहीं करता और नींद आती नहीं तो ऐसे में व्यक्ति का जीना कठिन हो जाता है। वैसे भी बड़े-बुजुर्ग हमारी अमूल्य सम्पत्ति हैं। उनके पास अनुभवों का खजाना है, अतः उनके अनुभवों का लाभ उठाएं। कभी भूलकर भी उनसे अपशब्द न कहें। साथ ही अपने बच्चों को बड़ों के पास बैठने का अवसर दिया करें, क्योंकि उनके आशीर्वादों से बच्चे फलते-फूलते हैं। अन्य लोग स्वयं भी बुजुर्गों के पास दो मिनट बैठकर उनकी बात सुनें, उनका हाल-चाल पूछें।

जिस व्यक्ति के सिर पर माँ-बाप का साया है, वह धन्य है। घर में बड़े बुजुर्गों का होना बहुत सौभाग्य माना जाता है और माँ-बाप की सेवा करने वाली सन्तान श्रेष्ठ। बच्चे को माता- पिता से आशीर्वाद माँगना नहीं पड़ता, अपने आप हृदय से मिल जाता है और माँ-बाप के हृदय से निकले हुए इस आशीष की कोई समानता नहीं है।

बड़ी विडंबना का समय है पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव के कारण आज के युवा माँ-बाप को नमन-वन्दन करने में लजाते हैं,जब कि कोई बच्चा व युवा जब अपने माता-पिता, दादा-दादी अथवा सद्गुरु के चरणों में शीष झुकाता है, तो उनके दिल में आनन्द की हिलोर उठने लगती है और तेजरूपी प्रकाश की किरणें विनम्र होते ही चरणों में झुके सुपुत्र, सदशिष्य के अन्दर प्रवेश कर जाती हैं। जिसके प्रतिफलस्वरूप उस युवा को आयु, विद्या, यश और बल की प्राप्ति होती है।

भक्ति में भय अथवा अहंकार नहीं होता

ज्ञान रुपी चक्षु कोई भी जन्म से ही लेकर नहीं पैदा होता। और न ही इसे कोई स्वयं अपने बलबूते पर धारण कर सकता है। इसे धारण करने के लिए किसी ज्ञानी का सानिध्य जरूरी है। यहां तक कि रामचंद्र जी जैसे अवतरित महापुरुष ने भी इस ज्ञान रूपी चक्षु को धारण करने के लिए ऋषि मुनियों का ही आशीर्वाद लिया था और आम जन की यह किस्मत पर निर्भर करता है कि उसे जीवन भर कोई ऐसा संग मिल भी पाता है या नहीं। कई बार हमारी आंखों के सामने राह होती है और हम पहचान नहीं पाते हैं।

ज्ञान अर्जित महानुभावों का कहना है कि प्रत्येक मनुष्य में ज्ञान होता है किन्तु अज्ञान उसे आच्छादित किये रहता है। उस अज्ञान के हटने पर ही मनुष्य को ज्ञान की अनुभूति होती है और अज्ञान तभी हटता है जब मनुष्य का अंतःकरण पूर्णतः शुद्ध हो। ब्रम्हज्ञान पाने का अधिकारी केवल वही साधक है जिसका अंतःकरण शुद्ध होगा।

सहज योग ध्यान एक ऐसी प्रक्रिया है जिससे नाड़ियों व? चक्रों की शुद्धता होती है भय, अहंकार और क्रोध को त्यागकर? ही हम पूर्णतः शुद्ध हो सकते हैं। चक्रों में पहले चक्र मूलाधार चक्र पर ध्यान करके हम सत?सत? विवेक व बोध प्राप्त करते हैं जिससे हमें अपने स्व को पहचानने का अवसर मिलता है। ध्यान के दौरान कुंडलिनी शक्ति सभी चक्रों को प्रकाशित करते हुये जब सहस्त्रार का भेदन करती है, ज्ञान चक्षु खुल जाते हैं। इस ज्ञान चक्षु से हम ईश्वरीय चेतना से अभिभूत होते हैं और सत्य व? यथार्थ की अनुभूति होती है। ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करने से बढ़कर कोई और ज्ञान नहीं है। हमारे अंदर व्याप्त अंधकार छंटने लगता है और हम अपने को और दूसरों को भी सही प्रकार से देख पाते हैं।

योग के अनेक प्रकार हैं। परंतु, सहज योग से कम समय में तथा सांसारिक जीवन में रहते हुए आत्मसाक्षात्कार पाना संभव होता है। एक शुद्ध इच्छा लेकर सहज योग से जुड़कर अपूर्व अनुभव प्राप्त करें।

गर्मी में प्यास, बारिश में सैलाब: विकास के मॉडल पर बड़ा सवाल

21वीं सदी का भारत एक कड़वी विडंबना के दौर से गुजर रहा है। एक ओर देश अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयां छू रहा है, तो दूसरी ओर करोड़ों लोग पानी की एक-एक बूंद के लिए जूझ रहे हैं। वर्ष 2026 की भीषण गर्मी ने विकास की चमक के पीछे छिपी हकीकत उजागर कर दी है। कई क्षेत्रों में तापमान 48 डिग्री सेल्सियस पार कर चुका है। बाड़मेर जैसे इलाकों में गांव एक हैंडपंप के सहारे हैं, महिलाएं मीलों दूर से पानी ला रही हैं और शहरों में दूषित जलापूर्ति को लेकर आक्रोश है। लेकिन कुछ ही सप्ताह बाद मानसून आते ही यही देश जल संकट से निकलकर जल प्रलय में घिर जाता है। सड़कें नदियां बन जाती हैं और जनजीवन थम जाता है। आखिर यह कैसा विकास है, जहां गर्मी में प्यास और बारिश में सैलाब नियति बन चुके हैं?

यह संकट प्रकृति नहीं, बल्कि विकास और जल प्रबंधन की उपेक्षा का परिणाम है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार अप्रैल 2026 में देश के 166 प्रमुख जलाशयों में जल भंडारण क्षमता का लगभग 39 प्रतिशत ही बचा था, जो मई में और घट गया। कई बड़े जलाशय आधी क्षमता से नीचे पहुंच गए। पिछले वर्षों में वर्षा के असमान वितरण, बढ़ती गर्मी और कमजोर जल प्रबंधन ने संकट को गहरा किया है। वहीं 2026 में एल-नीनो के प्रभाव से सामान्य से कम मानसून की आशंका है। दूसरी ओर भूजल का बेलगाम दोहन हालात और बिगाड़ रहा है। दिल्ली, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे शहर जल संकट के साथ भूमि धंसाव जैसे खतरों का भी सामना कर रहे हैं। स्पष्ट है, यह केवल आज की नहीं, भविष्य की भी गंभीर चुनौती है।

इस संकट की जड़ अंधाधुंध शहरीकरण है, जिसने प्रकृति और पानी का संतुलन तोड़ दिया है। कभी तालाब, झीलें और आर्द्रभूमियां वर्षा जल संजोती थीं, लेकिन आज उनकी जगह कंक्रीट के जंगल उग आए हैं। नतीजा यह है कि बारिश का पानी जमीन में उतरने के बजाय सड़कों और नालों में बह जाता है, जबकि गर्मियों में भूजल खाली पड़ जाता है। मानो हम बरसात में पानी को ठुकराते हैं और फिर गर्मी में उसकी तलाश में भटकते हैं। दुर्भाग्य से विकास की परिभाषा ऊंची इमारतों और चौड़ी सड़कों तक सिमट गई है, जबकि जल संरक्षण हाशिये पर है। यही सोच आज जल संकट और जलभराव—दोनों की सबसे बड़ी वजह है।

भारत में जल संकट का कारण केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि उसके उपयोग और प्रबंधन की खामियां भी हैं। कृषि और शहर मिलकर देश के 80 प्रतिशत से अधिक भूजल का दोहन कर रहे हैं, फिर भी जल व्यवस्था चरमराई हुई है। शहरों में लाखों लीटर पानी पाइपलाइन लीकेज में बह जाता है, जबकि कई बस्तियां बूंद-बूंद को तरसती हैं। दूसरी ओर सीमित जल वाले क्षेत्रों में भी अत्यधिक पानी मांगने वाली फसलें उगाई जा रही हैं। नतीजा यह है कि गर्मियों में जलाशय सूख जाते हैं और बरसात में वही पानी अनियंत्रित होकर तबाही मचाता है। स्पष्ट है, यह संकट संसाधनों के अभाव से अधिक गलत प्रबंधन और विकृत प्राथमिकताओं का परिणाम है।

गर्मी की प्यास और बारिश की तबाही का सबसे भारी बोझ समाज के कमजोर वर्गों पर पड़ रहा है। गांवों में पेयजल संकट स्वास्थ्य, खेती और पशुधन—तीनों पर चोट कर रहा है। सूखती फसलें किसानों की आय घटा रही हैं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को कमजोर बना रही हैं। वहीं शहरों में जलभराव और बाढ़ यातायात, कारोबार और जनजीवन को ठप कर देते हैं, साथ ही बीमारियों का खतरा बढ़ा देते हैं। गरीब परिवारों के घर डूबते हैं, रोज़गार प्रभावित होता है और जीवन स्तर गिरता है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जल संकट और जल प्रलय की सबसे बड़ी कीमत वही लोग चुका रहे हैं, जिनकी इन समस्याओं को पैदा करने में सबसे कम भूमिका है।

यह संकट अब केवल पर्यावरण या समाज तक सीमित नहीं रहा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता की चुनौती बन चुका है। पानी सीधे खाद्य सुरक्षा, कृषि, उद्योग, जनस्वास्थ्य और सामाजिक संतुलन से जुड़ा है। यदि जल स्रोत लगातार कमजोर होते रहे, तो भविष्य में जल विवाद बढ़ेंगे, कृषि उत्पादन घटेगा और शहरों की जीवन क्षमता पर भी संकट गहराएगा। जो राष्ट्र अपने नागरिकों के लिए पानी जैसी मूलभूत आवश्यकता सुनिश्चित नहीं कर सकता, उसका विकास भी लंबे समय तक टिक नहीं सकता। इसलिए पानी को महज़ एक संसाधन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण और विकास की आधारशिला मानने का समय आ गया है।

राह मुश्किल जरूर है, लेकिन समाधान सामने हैं। जरूरत केवल दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और जनभागीदारी की है। हर शहर और गांव में वर्षा जल संचयन अनिवार्य बनाना होगा, जबकि तालाबों, झीलों और पारंपरिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना होगा। शहरी विकास ऐसा हो कि वर्षा जल जमीन में समा सके और स्मार्ट ड्रेनेज व्यवस्था भूजल का आधार बने। कृषि में ड्रिप सिंचाई, सूक्ष्म सिंचाई और क्षेत्रानुकूल फसल चक्र को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जल वितरण व्यवस्था दुरुस्त कर पाइपलाइन लीकेज पर अंकुश लगाना होगा और लोगों को जल संरक्षण का भागीदार बनाना होगा। बदलाव घोषणाओं से नहीं, बल्कि ईमानदार और सख्त क्रियान्वयन से आएगा।

सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं है कि भारत कितना विकसित हुआ, बल्कि यह है कि क्या वह अपने लोगों के लिए पानी सुरक्षित रख पाया। गर्मी में प्यास और बारिश में सैलाब की यह विडंबना हमारी विकास यात्रा पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। यदि जल संरक्षण, जल साक्षरता और जल के न्यायपूर्ण वितरण को राष्ट्रीय संकल्प नहीं बनाया गया, तो आने वाली पीढ़ियां हमारी दूरदर्शिता नहीं, हमारी लापरवाही को याद रखेंगी। विकास का वास्तविक पैमाना कंक्रीट के जंगल नहीं, बल्कि हर नागरिक तक स्वच्छ और पर्याप्त पानी की पहुंच है। भारत को अब जल-केंद्रित विकास की दिशा में बढ़ना होगा, क्योंकि भविष्य की समृद्धि का रास्ता पानी से होकर गुजरता है।

-प्रो. आरके जैन

परमाणु छाया में सुलगता पश्चिम एशिया- ईरान- इजरायल

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में चल रहा संघर्ष अब पारंपरिक सैन्य टकराव की सीमाओं को पार कर एक ऐसे खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है,जहां परमाणु ठिकाने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से युद्ध का केंद्र बनते जा रहे हैं।ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य गतिविधियों ने न केवल क्षेत्रीय अस्थिरता को बढ़ाया है,बल्कि वैश्विक स्तर पर एक बड़े परमाणु संकट की आशंका भी उत्पन्न कर दी है। हालिया घटनाओं में जिस तरह परमाणु संयंत्रों और अनुसंधान केंद्रों को निशाना बनाया जा रहा है, उसने यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या दुनियाँ एक और परमाणु आपदा के मुहाने पर खड़ी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि युद्ध के 23वें दिन तक आते- आते संघर्ष की प्रकृति में स्पष्ट बदलाव दिखाई देने लगा है।पहले जहां सैन्य ठिकानों,सीमावर्ती क्षेत्रों और रणनीतिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया जा रहा था, वहीं अब परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले शुरू हो गए हैं। इजरायल द्वारा ईरान के नतांज परमाणु सुविधा पर की गई एयरस्ट्राइक इस दिशा में एक निर्णायक कदम थी। नतांज ईरान के परमाणु कार्यक्रम का केंद्र है, जहां यूरेनियम संवर्धनका कार्य होता है।इसके जवाब में ईरान ने इजरायल के डिमोना परमाणु केंद्र के आसपास मिसाइल हमले किए। यह केंद्र इजरायल की परमाणु क्षमता का सबसे महत्वपूर्ण आधार माना जाता है। इस प्रकार दोनों पक्षों द्वारा परमाणु ठिकानों को निशाना बनाना केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि एक खतरनाक जुआ है, जिसके परिणाम दूरगामी और विनाशकारी हो सकते हैं।रेडिएशन का बढ़ता खतरा- मानवता के लिए अदृश्य दुश्मन है,परमाणु संयंत्रों पर हमले का सबसे बड़ा खतरा केवल विस्फोट नहीं,बल्कि रेडिएशन लीक है।परमाणु संयंत्रों में यूरेनियम और प्लूटोनियम जैसे अत्यधिक रेडियोधर्मी तत्व मौजूद होते हैं।

यदि किसी हमले में इनका रिसाव होता है, तो उसका प्रभाव केवल तत्काल क्षेत्र तकसीमित नहीं रहता, बल्कि हवा, पानी और मिट्टी के माध्यम से हजारों किलोमीटर तक फैल सकता है।रेडिएशन के प्रभाव बेहद गंभीर होते हैं,कैंसर, जन्मजात विकृतियां, प्रतिरक्षा प्रणाली का कमजोर होना और दीर्घकालिक पर्यावरणीय क्षति।

चेरनोबिल दुर्घटना और फुकुशिमा परमाणु दुर्घटना इसके ज्वलंत उदाहरण हैं, जिनके प्रभाव आज भी महसूस किए जा रहे हैं। यदि पश्चिम एशिया में इसी प्रकार की कोई घटना घटती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जाएगा।

साथियों बात अगर हम अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी यानें (आईएईए) की भूमिका और ताजा स्थिति को समझने की करें तो इन बढ़ती आशंकाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। एजेंसी ने हाल ही में डिमोना क्षेत्र में हुए हमले के बाद स्पष्ट किया कि नेगेव परमाणु अनुसंधान केंद्र को किसी प्रकार की क्षति के संकेत नहीं मिले हैं और विकिरण स्तर सामान्य हैं।

-सुनील कुमार महला

सफ़ल होने की कौशलताएं भारतीयों में कूट-कूट कर भरी है बस अपने आपको पहचानने की जरूरत है

मानवीय जीव इस सृष्टि में अनमोल हीरा है।मनुष्य में अनमोल गुणों का भंडार समाया हुआ है, परंतु हम अपने आप की शक्ति को पहचानने की कोशिश नहीं करते बल्कि हमेशा दूसरों की ताकझांक करते रहते हैं। हर क्षेत्र में दूसरों से प्रतियोगिता करने पर उतारू हो जाते हैं, कुछ नया करने की नहीं सोचते। अपनी बुद्धि का सकारात्मक उपयोग लेने पर अगर हम उतारू हो गए !तो हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं क्योंकि इतनीं बुद्धि कौशलता हर एक भारतीय में समाई हुई है। बस !जरूरत है उसे पहचान कर निखारने की परंतु हम अपने ही बढ़ बोलेपन से घिरे रहते हैं, दूसरों की टांग खींचने में हमको मजा आता है। किसी भी नकारात्मक विस्तार वादी बात को समाधान कर समाप्त करना जैसे हमने सीखे ही नहीं? मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूँ क़ि भारत माता की मिट्टी में ही मानवीय गुणों की खान समाई हुई है जिसे हमें चुनकर अपनाना है। आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से गुणों की खान के दो हीरे चुप रहना और माफ करना पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम मानवीय अनमोल गुण चुप रहने की करें तो, बड़े बुजुर्गों की इस पर दो कहावतें हैं (1) बोलत बोलत बड़े बिखात, पहली कहावत का भावार्थ है, अति बोलने से ही बातें बिगड़ती है झगड़े दंगे फसाद मारपीट हत्याएं तक हो जाती है इसलिए चुप भली,

(2) अति का भला ना बोलना अति की भली न चूप, अति का भला न बरसना अति की भली न धूप, याने दूसरी कहावत का भावार्थ अति चुप रहने को भी नकारा गया है याने अन्याय के खिलाफ चुप रहना हानिकारक है। परंतु हमें इसका निर्णय अपने समाज और राष्ट्र के फायदे को देखकर ही लेना है परंतु मेरा मानना है चुप रहने से कई फायदे हैं और सामने वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है। बोलने से पहले हमें याद रखना होगा के (1) बिना तथ्य के ना बोले (2)शब्दों से ठेस ना पहुंचे (3) पवित्र वस्तुओं सेवाओं का अपमान ना करें (4) क्रोध में चुप रहे (5) मुद्दे से संबंध ना होने पर चुप रहें (6) शब्दों से किसी को ठेस ना पहुंचे (7) चिल्लाने से चुप भली (8) अपमान से ना बोलें (9) जरूरत पड़ने पर सकारात्मक बोलें (10) निंदा से बचें।

साथियों बात अगर हम चुप रहकर भी अपनी दिमागी ताकत से जवाब देने की करें तो, चुप रहना और कुछ समय तक खुद को स्थिर रखना हमको एक अच्छा श्रोता और समीक्षक बनाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि जब हम चुप रहते हैं तो हम बोलने की बजाय अधिक से अधिक सुनते हैं और उसका विश्लेषण कर पाते हैं। इससे हम पूरे तर्क और वितर्कों को जानने के बाद सही फैसला ले पाते हैं। हम सभी पक्षों को सुनते, समझते और डिसिजन ले पाते हैं। चुप रहना हमारे दिमाग को शांत करता है और हमको लॉजिकल समीक्षक बनाता है हमारे चुप रहने से अनेक बार सामने वाले को सटीक जवाब भी मिल जाता है।

साथियों हमारे शरीर का सबसे जटिल हिस्सा दिमाग होता है। ये पूरे शरीर को चलाता है और ये हमारे सभी इमोशंस को कंट्रोल करता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने दिमाग को भी व्यायाम करवाएं। जिस तरह शरीर को मजबूत बनाने के लिए शारीरिक व्यायाम जरूरी है, उसी तरह दिमाग को मजबूत बनाने के लिए उनकी ताकत बढ़ाना जरूरी है। मौन रहना दिमाग के लिए एक व्यायाम जैसा ही है और इससे दिमाग की मांसपेशियां तंदरुस्त रहती हैं।चुप रहने के अपने शारीरिक और मानसिक फायदे भी हैं? विशेषज्ञ मानते हैं कि चुप रहने से व्यक्ति दिमागदार और उत्पादक बनने की और अग्रसर होता है जिससे उनके मानसिक और शारीरिक स्वाध्याय स्वास्थ्य सुधार होने की संभावना बनी रहती है। व्यर्थ का बोलना ऊर्जा को नष्ट करना है, और यह बोलना ही हमें कभी अपने भीतर की ओर लौट ने नहीं देता , क्योंकि यह हमें बाहर की ओर झुकाए रखता है और जिन्हें भीतर की यात्रा करनी है उन्हें अपने मुंह को बंद ही रखना चाहिए। चुप रहने में अद्भुत शक्ति है।

साथियों बात अगर हम किसी को माफ करने की करें तो, खुद को दुख पहुँचाने या धोखा देने वाले व्यक्ति को माफ करना सबसे कठिन काम है। हालाँकि, यदि हम किसी के साथ अपने संबंधों को सुधारना चाहते हैं, तो उस के लिए हमको माफ करना सीखना भी ज़रूरी है या फिर सीधे तौर पर बीते हुए पलों को भुलाकर, आगे बढ़ने की कोशिश करें। नकारात्मक भावनाओं से निपटना सीखें, हमको दुख पहुँचाने वाले व्यक्ति का सामना करें और अपने जीवन में आगे बढ़ते जाएँ। क्षमा करना पसंद करें, क्योंकि बड़े बुजुर्गों की कहावत भी है क्षमा दान महादान, क्षमा करके भी हम सामने वाले को एक यादगार सजा के रूप में दे सकते हैं। क्षमा की भावना लेकर, हमको नकारात्मकता को अपने से दूर करने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए एकदम सचेत और सक्रिय निर्णय करने की ज़रूरत है। यह भावना आसानी से नहीं पनपती। खुद के अंदर क्षमा की भावना उत्पन्न करने के लिए हमको ही इस दिशा में कार्य करने की ज़रूरत है।

साथियों लोग अक्सर इस तरह की बातें करते हैं, कि वे उस इंसान को नहीं भुला सकते, जिसने उन के साथ कुछ ग़लत किया है। वे ऐसा मानते हैं, कि अपने अंदर मौजूद दर्द और धोखा मिलने की भावना को भूलना उन के लिए असंभव है।

लेकिन लोग इस बात को महसूस करने में नाकाम रह जाते हैं, कि क्षमा करना भले ही हमारी पसंद है, लेकिन अगर हम उस व्यक्ति को क्षमा करने का निर्णय लेते हैं, जिसने हमको कष्ट दिया हैं, तो यदि इस निर्णय से किसी को लाभ होता है, तो वो सिर्फ़ हम हैं और सामने वाले को हमेशा के लिए उस माफी के रूप में एक सजा और हमारा बड़प्पन। जीवन में माफी मांगने की कला बहुत लोगों को बहुत अच्छे से आती है तो वहीं कुछ लोगों को माफी मांगना उतना ही कठिन लगता है. दरअसल माफी मांगना या फिर किसी को क्षमा करना उतना भी सीधी-सादी बात नहीं है, लेकिन ऐसा करने के बाद व्यक्ति बड़ा सुकून मिलता है. हमारे यहां क्षमा को वीरों का आभूषण कहा गया है. जिससे व्यक्ति के जीवन में अहंकार दूर होता है और वह स्वस्थ मन से जीवन जीता है इसलिए भूल करना मनुष्य का स्वभाव है लेकिन क्षमा करना देवताओं का गुण है।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मनुष्य में अनमोल गुणों का भंडार है। हम सफलताओं का हर दिन एक नया इतिहास रच सकते हैं।उनमें चुप रहना और माफ करना दो अनमोल हीरे हैं। चुप रहने से बड़ा कोई जवाब नहीं और माफ कर देने से बड़ी कोई सजा नहीं। मानवीय जीव में जन्म से ही भरपूर कौशलताएं समाई हुई है बस पहचान कर निखारनें की जरूरत है।

-धनंजय राजौरा

भ्रष्टाचार करने वाले ध्यान दें- भ्रष्टाचारी धन दुर्घटना, गंभीर बीमारी, नुकसान या अन्य कारण से निकल जाता है

सृष्टि रचनाकर्ता ने सृष्टि में मानवीय जीव की रचना कर उसके मस्तिष्क में बौद्धिक क्षमता रूपी खान का ऐसा अणखुट खजाना भर दिया है जिसमें अन्य 84 लाख़ योनियों को अलग रखा और यह जीव मानवीय योनि में जन्म लेकर अपने परिवार मोहल्ले समाज शहर के खूबसूरत माहौल में अपना बचपन बिताता है तो उसे हमारे बड़े बुजुर्ग ईश्वर अल्लाह का रूप मानतेहैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं और यह सर्वविदित भी है कि बच्चे झूठ, फरेब, बेईमानी इत्यादि अवगुणों से दूर स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण में अपना बालपन जीवन व्यतीत करते हैं जब बचपन से निकलकर बौद्धिक समझदारी में आते हैं उन्हें आकर्षित करने वाली अनेक चीजों में से एक धन है !जिसकी चाहना बल्यपन से निकलने पर ही आने लगती है और यहीं से कुदरत द्वारा दी गई अद्भुत अनमोल बौद्धिक क्षमता पर भ्रष्टाचार और लालच की नकारात्मक सोच हमला करती है जिसनें उसे ईमानदार और आत्म सम्मान रूपी अस्त्र से इन अवगुणों को काट दिया उसका संपूर्ण जीवन सफ़ल हो जाता है और जो इसके घेरे में आ गया वह परिवार कुल सहित दुखों का भागीदारी बन जाता है जिसका मूल कारण गलत स्त्रोतों से कमाया गया धन है !,इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार फरेब अन्याय धोखे सहित गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन के दुखद परिणामों और ईमानदारी आत्म सम्मान से लाभकारी परिवारों की चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन की करें तो श्लोकों में आया है। अन्यायोपार्जितं वित्तं दस वर्षाणि तिष्ठति।प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।।

अर्थ- अन्याय या गलत तरीके से कमाया हुआ धन दस वर्षों तक रहता है। लेकिन ग्यारहवें वर्ष वह मूलधन सहित नष्ट हो जाता है।अन्यायोपार्जितं वित्तं दस वर्षाणि तिष्ठति।

प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।।...आचार्य चाणक्य अपने इस श्लोक में कहते हैं कि ऐसे गलत तरीकोंसे कमाया गया पैसा बमुश्किल 10 साल तक ही रहता है, इसके बाद 11वें वर्ष से ही ऐसा पैसा धीरे-धीरे नष्ट होने लगता है, इसलिए व्यक्ति को कभी भी अनैतिक तरीके से पैसा नहीं कमाना चाहिए क्योंकि उसे बुरे कर्मों का फल भी झेलना पड़ता है और कुछ समय बाद ऐसे धन नष्ट भी हो जाता है, फिर चाहे वजह कोई दुर्घटना, बीमारी, नुकसान या अन्य कारण हो। बेहतर होगा कि ईमानदारी से पैसा कमाएं और उसका एक हिस्सा दान में दें, इससे आपके घर में हमेशा बरकत रहेगी और आप दिन-दूनी रात-चौगुनीतरक्की करेंगें।

साथियों बात अगर हम चाणक्य नीति की करें तो, उसके अनुसार पापकर्म द्वारा या किसी को कष्ट और क्लेश पहुंचाकर कमाया पैसा अभीशापित होकर मनुष्य का नाश कर देता है। इस धन के प्रभाव से सज्जन पुरुष भी पाप की और बढ़ने लगते हैं। इसलिए ऐसे पैसों से बचना चाहिए, वरना जल्दी ही कुल सहित उस इंसान का नाश हो जाता है। आचार्य चाणक्य बताते हैं कि ऐसा धन दस साल से ज्यादा नहीं टिक पाता। उसके बाद दुगना खर्चा बीमारी या नुकसान होकर ऐसा पैसा चला जाता है। साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार जैसे गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन के परिणामों की करें तो हम इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया में भ्रष्टाचारियों के अनेक दुखद नकारात्मक परिणामों के बारे में पढ़ते सुनते रहते हैं परंतु मेरा यह निजी और व्यक्तिगत रूप से अपने साथियों दोस्त अफसरों के अनुभव की जानकारी रेखांकित किया हूं कि जो भ्रष्टाचार करता है वह अपने जीवन में कभी सुखी नहीं रहता उसके परिवार, बच्चे कुल में संकटों का पहाड़ किसी न किसी रूप में गिरता ही रहता है और सबसे बड़ी बात, कि मां लक्ष्मी चंचल होती हैं, यदि गलत तरीकों से धन कमाया गया तो मां लक्ष्मी नाराज होकर चली जाती हैं,अनैतिक तरीकों से चोरी, धोखे, अन्याय, जुआ आदि के जरिए कमाया गया धन हमेशा साथ नहीं रहता है।

साथियो हमने देखे होंगे कि भ्रष्टाचारियों के पास धन अधिक समय तक नहीं रहता वह निकल जाता है सुबह नहीं तो शाम निकलता जरूर है जिसकी परिणति हम बड़े बड़े ऑफिसरों नेताओं ऊपर ईडी, आईटी, सीबीआई की रेड से करोड़ों रुपए के धन की बरामदगी के रूप में किससे मीडिया में देखते सुनते रहते हैं।

साथियों बात अगर हम धन को बचाने की करें तो, धन कमाने से कई ज्यादा मुश्किल काम होता है धन को बचाकर रखना। कुछ लोग कम पैसे कमाने के बाद भी अपने लिए अच्छा खासा धन जोड़कर रख लेते हैं वहीं कुछ लोग बहुत पैसा कमाने के बाद भी ऐसा नहीं कर पाते।आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में धन से जुड़ी कई बातें बताई हैं। जिन्हें अपनाकर हम अपने धन को नष्ट होने से बचा सकते हैं। इन नीतियों से धन को इस्तेमाल करने का सही तरीका जाना जा सकता है। साथ ही इस बात की भी जानकारी मिल जाती है कि हम कैसे पैसों की बचत कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम धन को लेकर 10 बातों की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में दी गई चाणक्य नीति के अनुसार (1)धन की बचत करना (2) धन का सकारात्मक सम्मान (3) समृद्धि के साथ रहवास (4) धन जीवन की परीक्षा बोधक है (5) धन का मोह नहीं करना चाहिए (6) धन का सम्मान करना चाहिए (7) बेवजह धन खर्च ना करनाचाहिए (8) धन के सम्मान संबंधी लक्ष्मी मां की परीक्षा (9) धन का दिखावा रोकना नवा सकारात्मक कौशल से धन का उपयोग स्वस्थ (10) स्वस्थ स्त्रोतों को से धन आगमनसूचक शैली अपनाना।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अन्यायोपार्जितं वित्तं दस वर्षाणि तिष्ठति।प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।।ईमानदारी और आत्म सम्मान मानवीय जीवन के दो अनमोल हीरे मोती हैं। भ्रष्टाचार फरेब अन्याय धोखे सहित गलत स्त्रोतों से कमाया गया धन बीमारी दुख कलेश के माध्यमों से ब्याज सहित परिवार कुल का नाश करते हुए निकल जाता है।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

देवास पुलिस को मिले 128 नव आरक्षक, मजदूर की बेटी से डिलीवरी बॉय तक पहनेंगे खाकी

एसपी पुनीत गेहलोद ने सौंपे नियुक्ति पत्र, संघर्ष और मेहनत की कहानियां बनीं प्रेरणा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश एवं पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस की आरक्षक भर्ती प्रक्रिया मिशन मोड पर जारी है। इसी क्रम में वर्ष 2025 की भर्ती प्रक्रिया के तहत देवास पुलिस को 128 नव चयनित आरक्षक प्राप्त हुए हैं। प्रथम चरण में शनिवार को पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने नव चयनित आरक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर मध्यप्रदेश पुलिस परिवार में उनका स्वागत किया।

इस अवसर पर एसपी पुनीत गेहलोद ने नव आरक्षकों को देशभक्ति, जनसेवा, अनुशासन, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के मूल्यों से अवगत कराते हुए कहा कि पुलिस सेवा केवल नौकरी नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक महत्वपूर्ण दायित्व है। उन्होंने सभी नव आरक्षकों से संवेदनशीलता और समर्पण के साथ आमजन की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने का आह्वान किया।

नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के बाद सभी नव आरक्षक निर्धारित प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण के लिए रवाना होंगे। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे पुलिस बल का हिस्सा बनकर जनसुरक्षा, कानून व्यवस्था और सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

भर्ती प्रक्रिया की सबसे खास बात यह रही कि चयनित अभ्यर्थियों में कई ऐसे युवा शामिल हैं जिन्होंने सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद सफलता हासिल की। अशोक कुमावत ने सात वर्ष तक होमगार्ड में सेवाएं देने के बाद खाकी पहनने का सपना पूरा किया। अमन यादव ट्रक चालक के पुत्र हैं, जबकि कीर्ति पैठारी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के रूप में कार्यरत रही हैं। प्रियंका कुमावत पिछले तीन वर्षों से निजी शिक्षक के रूप में सेवाएं दे रही थीं। कुन्दन अमेजॉन डिलीवरी बॉय के रूप में काम करते रहे, जबकि उनके पिता मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सुमति कुमार ने पांचवें प्रयास में सफलता हासिल कर दृढ़ संकल्प का उदाहरण प्रस्तुत किया। वहीं शिक्षक पुत्र चेतन परमार ने भी अपने अथक परिश्रम से यह उपलब्धि हासिल की।

इन युवाओं की सफलता इस बात का प्रमाण है कि कठिन परिश्रम, आत्मविश्वास और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। देवास पुलिस परिवार ने सभी नव चयनित आरक्षकों का स्वागत करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और सफल पुलिस सेवा जीवन की शुभकामनाएं दी।

उपनिरीक्षक प्रेम यादव के नेतृत्व में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, 14 पेटी अवैध मदिरा सहित कार जब्त

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आबकारी विभाग ने अवैध मदिरा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए देवास बायपास स्थित रेती मंडी के पास एक कार से 14 पेटी देशी-विदेशी मदिरा जब्त की है। कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)(क) एवं 34(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। कलेक्टर ऋतुराज सिंह के निर्देशन एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक प्रेम यादव के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान मुखबिर की सूचना पर आल्टो कार क्रमांक एमपी-09-सीई-7390 को रोककर तलाशी ली गई। वाहन से 10 पेटी देशी प्लेन मदिरा, 1 पेटी मसाला मदिरा एवं 3 पेटी बीयर कैन सहित कुल 135 बल्क लीटर मदिरा बरामद हुई। जब्त मदिरा एवं वाहन का कुल अनुमानित मूल्य लगभग 2.05 लाख रुपये बताया गया है। विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है कि मदिरा कहां से लाई गई थी और कहां खपाई जानी थी। कार्रवाई में उपनिरीक्षक प्रेम यादव, मुख्य आरक्षक दीपक धुरिया, आरक्षक निहाल खत्री, दीपक तटवाड़े, किशोर सिसोदिया एवं अनिल चौहान शामिल रहे। आबकारी विभाग ने बताया कि अवैध मदिरा कारोबारियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

फंदे पर मिला ट्रांसपोर्ट कारोबारी, कथित सुसाइड नोट की चर्चा से नीमच में मचा हड़कंप

नीमच/सतीश सैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के कारोबारी जगत में शनिवार को उस समय हलचल मच गई, जब पिंक सिटी ट्रांसपोर्ट के संचालक मेघराज गुर्जर का शव फांसी के फंदे पर मिला। एक सक्रिय और पहचान रखने वाले कारोबारी की अचानक हुई मौत ने लोगों को हैरान कर दिया है। घटना के बाद शहरभर में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया और हर किसी की जुबान पर एक ही सवाल है–आखिर ऐसा क्या हुआ कि यह दुखद घटना सामने आई? सूचना मिलते ही सिटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल को सुरक्षित करते हुए जांच शुरू की। प्रारंभिक स्तर पर मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस अभी किसी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। इसी बीच मृतक की जेब से कथित सुसाइड नोट मिलने की चर्चा ने मामले को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। स्थानीय स्तर पर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। सूत्रों के मुताबिक कथित नोट में कुछ लोगों का जिक्र होने की चर्चा है, जबकि कुछ लोग एक महिला का उल्लेख होने की बात भी कह रहे हैं। हालांकि इन सभी दावों की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस ने भी मामले में संयम बरतने की अपील की है। घटना के बाद पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं और कथित नोट की जांच की जा रही है। साथ ही मृतक के पारिवारिक, सामाजिक और कारोबारी पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है ताकि मौत के पीछे की वास्तविक परिस्थितियों को समझा जा सके। फिलहाल मेघराज गुर्जर की मौत ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यह केवल व्यक्तिगत कारणों से जुड़ा मामला है या इसके पीछे कोई और वजह है? इन सवालों के जवाब अब पुलिस जांच और आधिकारिक रिपोर्ट के बाद ही सामने आ सकेंगे। जब तक जांच पूरी नहीं होती, तब तक इस मामले को लेकर उठ रही चर्चाओं और अटकलों के बीच सच का इंतजार बना रहेगा।

कृषि विभाग ने किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज और पक्का बिल लेने की दी सलाह

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उप संचालक कृषि श्री गोपेश पाठक ने कृषकों को समझाइश दी है कि खरीफ फसलों की बुवाई से पूर्व गुणवत्तायुक्त बीज का चयन करना अत्यंत आवश्यक है। जिले में खरीफ 2026 हेतु सोयाबीन, मक्का, अरहर, मूंग, उड़द एवं कपास फसलों का बीज भण्डारण एवं विक्रय का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। उन्होंने सलाह दी है कि किसान भाई पंजीकृत विक्रेता फर्म/दुकान से ही बीज खरीदें और खरीदे गये बीज का पक्का बिल आवश्यक रूप से लें, जिस पर फसल का नाम, बीज की किस्म, कंपनी का नाम, बैच/लॉट नम्बर, बीज उत्पादन तिथि और अंतिम तिथि, दर, मात्रा लिखी होनी चाहिए। भविष्य में किसी समस्या की स्थिति में बिल अत्यंत आवश्यक दस्तावेज होता है।

उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की है कि बुवाई से पूर्व बीज के अंकुरण का परीक्षण अवश्य करें तथा प्रमाणित एवं गुणवत्तायुक्त बीज का ही उपयोग करें। कम अंकुरण वाले बीज का उपयोग करने से पौध संख्या प्रभावित होती है एवं उत्पादन में कमी आती है। उन्होंने बताया कि सोयाबीन बीज का बाहरी आवरण अर्थात सीड कोट अत्यंत नाजुक होता है। अधिक उठापटक, ऊंचाई से गिराने या बार-बार भराई-खाली करने से बीज क्षतिग्रस्त हो सकता है, जिससे अंकुरण प्रभावित होता है। कृषक भाई यदि दूध फुल लेबल्ड बीज का उपयोग कर रहे हैं तो उसका स्रोत, उत्पादक संस्था एवं गुणवत्ता संबंधी जानकारी अवश्य प्राप्त करें। विश्वसनीय एवं पंजीकृत विक्रेता से ही बीज खरीदें। सोयाबीन फसल में अच्छे अंकुरण, प्रारंभिक वृद्धि एवं रोगों से सुरक्षा हेतु बीज उपचार अत्यंत आवश्यक है।

उप संचालक कृषि ने बताया कि बीज उपचार करने से बीज एवं मृदा जनित रोगों का प्रकोप कम होता है तथा उत्पादन में वृद्धि होती है। उपचारित बीज को छाया में सुखाकर उसी दिन बुवाई करें। जैविक कल्चर का उपयोग रासायनिक उपचार के बाद ही करें। जिले के कृषकों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के उ?देश्य से विभाग द्वारा नियमित रूप से कृषि आदानों का निरीक्षण किया जा रहा है तथा बीज के नमूने भी लिए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक बीज के 40 नमूने लेकर गुणवत्ता परीक्षण हेतु प्रयोगशाला को भेजे गए हैं। अमानक पाए जाने पर बीज अधिनियम 1966 एवं बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 के तहत कार्यवाही की जाएगी।

जैविक हाट बना शुद्धता की पहचान, किसानों को मिल रहा उत्पादों का उचित दाम

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा किसानों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ने के उद्देश्य से जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा कृषि उपज मंडी प्रांगण में पिछले छह माह से प्र?येक रविवार को आयोजित किये जा रहे साप्ताहिक जैविक हाट लगातार लोकप्रियता हासिल कर रहा है। यह हाट अब शुद्धता और गुणवत्ता की पहचान बनता जा रहा है, जहां जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे किसान अपने प्रमाणित, रसायन-मुक्त एवं जैविक उत्पादों का विक्रय कर रहे हैं। हाट में ताजी सब्जियां, अनाज, दालें, मसाले तथा अन्य कृषि उत्पाद उपलब्ध कराए जा रहे हैं। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं का रुझान भी लगातार बढ़ रहा है, जिसके चलते हर सप्ताह बड़ी संख्या में खरीदार यहां पहुंच रहे हैं। किसानों को जहां अपने उत्पादों का उचित मूल्य मिल रहा है, वहीं उपभोक्ताओं को भरोसेमंद और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध हो रही है। कृषि विभाग के विशेषज्ञों की निगरानी में हाट का संचालन सुव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है। इस दौरान अनुविभागीय कृषि अधिकारी पाटन डॉ. इंदिरा त्रिपाठी एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पाटन पंकज श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के अनुसूचित जाति वर्ग के युवा संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना लें लाभ

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित देवास ने बातया कि अनुसूचित जाति वर्ग के युवक/युवतियों के उत्थान के लिए चलाई जा रही दे संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना के तहत आवेदन आर्मत्रित किए गए हैं। इच्छुक युवा योजना का लाभ लेने के लिए एमपी ऑनलाइन के पोर्टल https://samast.mponline.gov.in के माध्यम से आवेदन कर सकते है। आवेदन के पश्चात हॉर्डकॉपी कलेक्टर कार्यालय स्थित जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति मर्यादित देवास में जमा करना होगा। योजना का लाभ लेने के संबंध में अधिक जानकारी के लिए टेलीफोन नम्बर 07272-252931 तथा मोबाइल नम्बर 81032-10940 पर सम्पर्क कर सकते है।

संत रविदास स्वरोजगार योजना- संत रविदास स्वरोजगार योजना के अंतर्गत स्वयं का उद्योग, सेवा या व्यवसाय स्थापित करने के लिए 01 लाख से 50 लाख रूपये तक का ऋण बैंक के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के लिए आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है। शैक्षणिक योग्यता न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए। डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना- यह योजना विशेष रूप से अशिक्षित एवं कम पढ़े-लिखे युवाओं के लिए तैयार की गई है। इसके अंतर्गत न्यूनतम आवश्यकताओं/छोटे व्यवसायों के लिए 10 हजार से 01 लाख रूपये तक की ऋण राशि स्वीकृत की जाएगी। इसके लिए आयु सीमा 18 से 55 वर्ष निर्धारित की गई है तथा इसके लिए कोई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता का बंधन नहीं है।

भरोसीराम की जिंदगी बदल दी जनमन ने

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विशेष पिछड़ी जनजातियों में शामिल सहरिया समुदाय के लोगों के जीवन में प्रधानमंत्री जनमन अभियान नई उम्मीद लेकर आया है। ग्वालियर जिले की जनपद पंचायत भितरवार की सुदूर ग्राम पंचायत घरसोंदी से एक छोटी सी आदिवासी दफाई जुड़ी है। इसी आदिवासी दफाई के निवासी श्री भरोसीराम आदिवासी का वर्षों पुराना पक्के घर का सपना पीएम जनमन अभियान (प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान) के माध्यम से साकार हुआ है।

सहरिया जनजाति से ताल्लुक रखने वाले भरोसीराम आदिवासी के लिए हर बरसात एक कठिन परीक्षा की तरह आती थी। उनके पास टूटी-फूटी कच्ची झोंपड़ी थी, जिसमें पत्नी और चार बच्चों सहित छह सदस्यों का परिवार रहता था। बारिश में छत टपकती, दीवारें गलती और रातें डर में बीतती थीं। भरोसीराम अपने परिवार का गुजारा तो आसानी से चला लेते थे, पर आमदनी इतनी नहीं थी कि पक्का घर बनवा सकें।

सहरिया जनजाति से ताल्लुक रखने वाले भरोसीराम आदिवासी के लिए हर बरसात एक कठिन परीक्षा की तरह आती थी। उनके पास टूटी-फूटी कच्ची झोंपड़ी थी, जिसमें पत्नी और चार बच्चों सहित छह सदस्यों का परिवार रहता था। बारिश में छत टपकती, दीवारें गलती और रातें डर में बीतती थीं।

नीमच पुलिस की प्रभावी कार्यवाही रात्रि में कॉम्बिंग गश्त के दौरान 118 गैर जमानती वारंट तामील,मायनर एक्ट के अंतर्गत आबकारी अधिनियम के अंतर्गत 11 प्रकरणों में कार्यवाही

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री राजेश व्यास के निर्देशानुसार श्री नवलसिंह सिसोदिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमच के मार्गदर्शन में दिनांक ×0/×1.05.2026 की दरम्यानी रात्रि में जिला नीमच के समस्त थाना क्षेत्रों में कॉम्बिंग गश्त का आयोजन किया गया है। कॉम्बिंग गश्त के दौरान जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी/थाना प्रभारी/चौकी प्रभारी एवं पुलिस बल द्वारा सम्पूर्ण जिले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी, निगरानी/गुण्डा बदमाशों की चैकिंग, होटल/लॉज/ढाबा चैकिंग, लघु अधिनियम के अंतर्गत प्रभावी कार्यवाही, गंभीर अपराधों में फरार चल रहे आरोपियों की गिरफ्तारी, महिला संबंधी अपराधों के आदतन आरोपियों की चैकिंग, हेतु सम्पूर्ण जिले में कॉम्बिंग गश्त का आयोजन किया गया, कार्यवाही के दौरान -

कॉम्बिंग गश्त के दौरान 12 स्थानों पर संयुक्त चौकिंग की कार्यवाही की गई, जिसमें चौकिंग के दौरान 175 से अधिक वाहनों की चैकिंग की जाकर यातायात नियमों के उल्लंघन पर 4× वाहनों के चालान काटे जाकर 21800/- रूपयें का समन शुल्क वसुल किया गया तथा शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों की चौकिंग की जाकर धारा 185 मो.व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही की गई।

कुल 118 वारंट तामील कराये गये जिसमें से ×9-स्थाई एवं 79-गिरफ्तारी वारंट शामिल है, उक्त स्थाई वारंटी काफी समय से फरार चल रहे थे।

वारंट तामीली में मादक पदार्थ तस्करी - 02, शरीर संबंधी अपराधों के - 52, संपत्ती संबंधी अपराधों के - ×7 वारंट तामील कराये।

कुल 107 निगरानी बदमाश/गुण्डा एवं 01 जिला बदर की चैकिंग रात्रि में की गई।

अवैधानिक गतिविधियों को रोकने के लिये 60 होटल, लॉज, ढाबा चेक किये गये।

आबकारी अधिनियम के तहत कुल 11 प्रकरणों में कार्यवाही करते हुये 51 लीटर अवैध क'ची शराब जप्त की गई।

सट्टा अधिनियम के तहत 0×, जुंआ अधिनियम के तहत 01 एवं एनडीपीएस एक्ट के तहत 01 प्रकरण पंजीबद्व किया गया।

जिले में 54 अनावेदकों के विरूद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई।

एनडीपीएस एक्ट के तहत 01 प्रकरण पंजीबद्व कर 02 किलो 190 ग्राम अवैध गांजा जप्त कर 01 आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

महिला संबंधी अपराधों के 0× आदतन आरोपियों की चौकिंग की जाकर उनकी आमद-रफत, चाल-चलन के बारे में सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की गई।

12. कांबिग गश्त के दौरान पुलिस टीमों द्वारा बैंकों एवं बैंक एटीएम को भी चैक किया गया

पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास द्वारा बताया की नीमच पुलिस द्वारा कानून व्यवस्था बनाये रखने हेतु इस प्रकार की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

नर्मदा किनारे नारियल की खेती का कमालः अनिल पचौरी की जिद ने बदली खेती की तस्वीर

जबलपुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। समुद्र नहीं, नर्मदा किनारे करूँगा नारियल की खेती, यह जिद जबलपुर के प्रगतिशील किसान अनिल पचौरी की थी। लोगों का मानना था कि नारियल की खेती केवल समुद्री तटीय क्षेत्रों में ही संभव है, लेकिन अनिल पचौरी ने इस धारणा को गलत साबित कर दिया। आज जबलपुर के लम्हेटाघाट क्षेत्र में उनकी 10 एकड़ भूमि पर लगे 2 हजार नारियल के पेड़ प्रतिदिन 300 से 400 नारियल का उत्पादन दे रहे हैं और शहर के विभिन्न हिस्सों में स्थानीय स्तर पर नारियल की आपूर्ति की जा रही है। जिद से शुरू हुआ सफर, आज बन गई मिसाल अनिल पचौरी बताते हैं कि उनका आंध्र प्रदेश आना-जाना लगा रहता था। वहां उन्होंने देखा कि कई किसान नारियल और मसाला फसलों की खेती से समृद्ध जीवन जी रहे हैं। किसानों की आर्थिक स्थिति देखकर उनके मन में सवाल उठा कि जब यह खेती दक्षिण भारत में सफल हो सकती है तो जबलपुर में क्यों नहीं? उन्होंने इस विषय पर गहन अध्ययन शुरू किया। शहर में जहां भी नारियल के पेड़ दिखाई देते, वे रुककर लोगों से उनकी जानकारी लेते। इस दौरान उन्हें यह समझ आया कि जबलपुर की जलवायु में भी नारियल के पौधे जीवित रह सकते हैं और उचित देखभाल के साथ उत्पादन दे सकते हैं। केरल में किसानों के बीच रहकर सीखी तकनीक नारियल की खेती की बारीकियों को समझने के लिए अनिल पचौरी लगभग दो माह तक केरल में किसानों के बीच रहे। उन्होंने खेतों में उनके साथ काम किया और खेती की तकनीकों को व्यवहारिक रूप से सीखा।

विदिशा में तीन दिवसीय कैंसर उपचार शिविर की तैयारियां तेज, 3 जून से गांव-गांव होगा प्री-रजिस्ट्रेशन

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सभी नागरिकों और संगठनों से सहयोग का किया आह्वान

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। अटल बिहारी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, विदिशा में 5, 6 एवं 7 जून को आयोजित होने वाले तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण एवं उपचार शिविर की तैयारियों की समीक्षा केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने की। मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में आयोजित बैठक में उन्होंने शिविर के लिए किए जा रहे व्यवस्थागत प्रबंधों की जानकारी प्राप्त करते हुए जिलेवासियों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न संस्थाओं से इस महत्त्वपूर्ण मानव सेवा अभियान में हर स्तर पर सहयोग करने का आह्वान किया।

श्री चौहान ने कहा कि विदिशा जिला सेवा और जनकल्याण की गौरवशाली परंपरा के लिए जाना जाता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को उनके जिले में ही बेहतर जांच एवं उपचार की सुविधा उपलब्ध कराना एक बड़ा प्रयास है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता आवश्यक है।

बैठक में बताया गया कि कैंसर जैसी घातक बीमारी के मरीजों को विशेषज्ञ उपचार एवं परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टाटा मेमोरियल कैंसर हॉस्पिटल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में यह विशेष शिविर आयोजित किया जा रहा है। शिविर में मरीजों की जांच, परामर्श तथा उपचार संबंधी आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाएंगी।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री ओ.पी. सनोडिया ने शिविर की तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम स्तर पर प्री-रजिस्ट्रेशन का कार्य 3 जून से प्रारंभ किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद मरीजों को शिविर का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक सर्वेक्षण के आधार पर अब तक 2,727 नागरिकों का पंजीयन किया जा चुका है। इनमें 970 ऐसे मरीज हैं जिनमें कैंसर की संभावना 50 प्रतिशत से अधिक आंकी गई है, जबकि 1,757 मरीजों में 50 प्रतिशत से कम संभावना दर्ज की गई है।

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. मनीष निगम ने शिविर के दौरान मरीजों एवं उनके साथ आने वाले परिजनों के लिए किए जा रहे प्रबंधों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जांच, उपचार, आवास, भोजन, प्रतीक्षा व्यवस्था तथा अन्य चिकित्सा सुविधाओं को सुव्यवस्थित बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि शिविर में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बैठक में शिविर के सफल संचालन हेतु विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा किए जा रहे समन्वय एवं व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। सभी संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, जिससे कैंसर उपचार शिविर का संचालन प्रभावी एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया जा सके।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के उपचार के लिए बड़ी संख्या में मरीजों को मुंबई जाना पड़ता है, जिससे उन्हें यात्रा, आवास और भोजन संबंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इन समस्याओं को देखते हुए विदिशा में टाटा मेमोरियल अस्पताल की एक इकाई स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में कैंसर जांच एवं स्क्रीनिंग शिविर एक महत्वपूर्ण कदम है। भविष्य में यहां कीमोथेरेपी और सर्जरी जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराने की योजना है। 5, 6 और 7 जून को कैंसर जांच स्क्रीनिंग हेतु निशुल्क शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें कैंसर से पीड़ित मरीजों की निशुल्क जांच होगी। आगामी समय में कीमोथैरेपी और सर्जरी की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी और धीरे-धीरे विदिशा में टाटा मेमोरियल की इकाई स्थापित होगी।

इस दौरान अवगत कराया गया कि विदिशा के मेडिकल कॉलेज में आयोजित कैंसर जांच स्क्रीनिंग शिविर हेतु की गई तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि मरीजों की स्क्रीनिंग हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं निशुल्क दवा वितरण, डॉक्टर, नर्स, वॉलिंटियर्स, कैंप के लिए नोडल अधिकारी इत्यादि व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इसके अलावा चार पंजीयन काउंटर बनाए गए हैं। 11 ओपीडी हैं जिसमें टाटा मेमोरियल सेंटर के विशेषज्ञों हेतु चार व मेडिकल और जिला चिकित्सालय की सात ओपीडी रहेंगी। मरीजों व उनके परिजनों के लिए पेयजल, वल्पाहार की व्यवस्थाएं, मरीजों के लिए व्हीलचेयर, स्ट्रेचर की व्यवस्था के साथ-साथ आयुष्मान और आधार बनाए जाने हेतु कैंप के इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। साथ ही साथ बढ़ती गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए ठंडी हवा के लिए कूलर के इंतजाम भी किए गए हैं। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कैसर शिविर आयोजन के किसी भी प्रकार की कमियां नही होने दी जाएगी हर वर्ग से सहयोग प्राप्त किया जाएगा। प्रचार प्रसार के प्रबंध सुनिश्चित किए जाएंगे इतयादि को रेखांकित करते हुए सभी आगंतुको के प्रति आभार व्यक्त किया।

संस्कार खोते शिक्षा के मंदिर, पुणे विवि में दिगंबर मुनि को गोष्ठी में प्रवेश से रोका, जैन समाज में आक्रोश

जैन विरासत पर संगोष्ठी में मुख्य वक्ता मुनि अक्षय सागर जी को नंगे पैर लौटाया, आयोजकों को दिगंबर स्वरूप तक की जानकारी नहीं

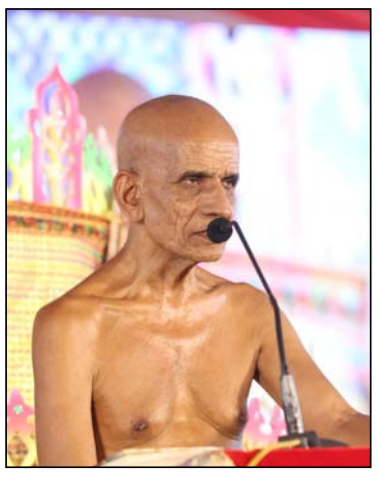

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय संस्कृति की पहचान वसुधैव कुटुम्बकम और अतिथि देवो भव- से है।नालंदा - तक्षशिला की ज्ञान परंपरा वाले इस देश में एक विश्वविद्यालय द्वारा आमंत्रित दिगंबर जैन संत को कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश से रोक देना, हमारे शिक्षा केंद्रों के संस्कार-विहीन होते जाने का शर्मनाक उदाहरण बन गया है।

उक्त घटना की जानकारी देते हुए वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी ने बताया कि हाल ही में सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के पुरातत्व एवं इतिहास विभाग द्वारा भारत सरकार की भारतीय ज्ञान परंपरा योजना के तहत भारत की प्राचीन जैन विरासत विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई थी। इस संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में दिगंबर जैन संत मुनि श्री अक्षय सागर जी महाराज को विधिवत आमंत्रण भेजा गया और उनकी स्वीकृति भी ली गई। तपती गर्मी में पैदल विहार करके जब मुनिश्री कार्यक्रम स्थल पर पहुँचे, तो विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनके दिगंबर स्वरूप का हवाला देकर प्रवेश देने से इनकार कर दिया।

इस घटनाक्रम से तीन बड़े सवाल जो शिक्षा व्यवस्था पर उठ गये है।

1. अज्ञानता की पराकाष्ठा - जिस जैन धर्म पर संगोष्ठी हो रही थी, आयोजकों को उसी धर्म के दिगंबर संतों के स्वरूप की जानकारी तक नहीं।

2. प्रशासनिक लापरवाही - मुख्य वक्ता को बुलाकर उनके बारे में बुनियादी जानकारी न रखना, विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है।

3. अतिथि देवो भव का अपमान - घर बुलाकर मेहमान को दरवाज़े से लौटाना भारतीय संस्कृति की मूल भावना की धज्जियाँ उड़ाना है।

वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी ने कहा कि यह घटना केवल एक संत का नहीं, हमारी हज़ारों वर्ष पुरानी श्रमण संस्कृति, तप, त्याग और अहिंसा की परंपरा का अपमान है।

दिगंबरत्व वस्त्र-त्याग नहीं, समस्त परिग्रहों के त्याग का प्रतीक है। भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के नाम पर बने विश्वविद्यालय में यह कृत्य उनके नाम को भी बट्टा लगाता है। ऐसा लगता है कि ये आयोजन समिति के लोग भारत के नहीं होकर किसी दूसरी दुनिया से आएं हों जिन्हें भारत के अति प्राचीन धर्म संस्कृति के बारे में कोई जानकारी ही नहीं।

वर्द्धमानपुर शोध संस्थान के ओम पाटोदी सहित राजेश जैन फुलजी बा, राजमल सूर्या, मुकेश विनाक्या, सुरेन्द्र मूणत, राजेंद्र सराफ, अनिल लुनिया, सर्वेश मंडलेचा, सौरभ जैन, प्रवीण जैन, विपिन जैन, पवन पाटोदी, सुशील मोदी, ललित गोधा, स्वप्निल जैन, अभय पाटोदी आदि सदस्यों ने एवं वरिष्ठ समाजजन व प्रबुद्ध नगर वासियों ने उक्त घटना पर विरोध जताते हुए सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय के दोषी अधिकारियों से सार्वजनिक रूप से माफी माँगने की माँग की है। साथ ही शिक्षा विभाग द्वारा उन पर यथोचित कार्यवाही की भी माँग की है।

खेड़ापति की कृपा से 55 साल रहे शिक्षक सेवानिवृत हुए सतनारायण राठौर

आलोट/ राकेश चौहान/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रतलाम जिले के आलोट शासकीय प्राथमिक विद्यालय दुधावती में विधायक 18 साल प्रधान अध्यापक के पद पर रहे सतनारायण राठौर ने अपने शुरुआती दौर में झार बर्डीया कलसिया और आखिरकार अपने जीवन के शिक्षा के क्षेत्र में अलग पहचान बनाने वाले सत्यनारायण राठौर ने दुदावती प्रधान अध्यापक शासकीय प्राथमिक विद्यालय में आज सेवानिवृत हो गए जिसको लेकर आलोट शहर में सभी ने एक जुलूस निकालकर विट्ठल मंदिर चौराहे से अपने निवास स्थान दशहरा मैदान बैंड बाजे और ढोल के साथ नाचते गाते हुए सभी ने सतनारायण राठौर को अपने जीवन की शासकीय सेवाओं में यादगार पर बना कर छोड़ा है उसी के लिए सभी की आंखें सेवानिवृत होने पर नम हो गई और बधाई देते हुए घर तक सभी ने विदाई दी और उनके जीवन की मंगल कामना की परिवार द्वारा इस अवसर पर रात्रि में सुंदरकांड का आयोजन किया गया सतनारायण राठौर खेड़ापति हनुमान मंदिर समिति के वरिष्ठ सदस्य हैं खेड़ापति हनुमान जी महाराज की असीम कृपा और संतों का आशीर्वाद सतनारायण राठौर को हमेशा मिलता रहता है नगर के सभी सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने वाले सतनारायण राठौर के शिक्षा विभाग से सेवानिवृत होने पर सभी ने उन्हें बधाई दी शिक्षा के क्षेत्र में उनके छात्रों ने एक अलग मुकाम हासिल किया है वही सतनारायण राठौर साफ सुंदर छवि के शिक्षक माने जाते हैं और शिक्षा विभाग में पुरी सेवा देने के बाद आज उन्होंने अपने परिवार के साथ घर पहुंच कर सभी का आभार माना।

जनगणना के प्रथम चरण में ग्वालियर प्रदेश के शीर्ष जिलों में

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले में जनगणना के प्रथम चरण का कार्य सफलतापूर्वक एवं त्रुटिरहित ढंग से पूर्ण कर लिया गया है। जनगणना के प्रथम चरण के कार्य में ग्वालियर जिला मध्यप्रदेश के शीर्ष पाँच जिलों में शामिल रहा है। प्रदेश स्तर पर जिले ने चौथा स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने जनगणना कार्य से जुड़े सभी शासकीय सेवकों को बधाई दी है और उनके प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पूरी लगन और जिम्मेदारी के साथ कार्य कर जनगणना के प्रथम चरण को सफल बनाया है। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने जिले के दोनों अपर कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों (एसडीएम), चार्ज अधिकारियों, प्रगणकों, सुपरवाइजरों, भोपाल से नियुक्त जिले के जनगणना नोडल अधिकारी श्री राकेश मीणा सहित जनगणना कार्य में योगदान देने वाले सभी शासकीय सेवकों एवं जिलेवासियों के प्रति जिला प्रशासन की ओर से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि जनगणना कार्य की मुख्य धुरी रहे प्रगणक और सुपरवाइजर तेज गर्मी के बावजूद घर-घर पहुंचकर मकानों का सूचीकरण और गणना कार्य करते रहे। बंद मिले मकानों की जानकारी दर्ज करने के लिए भी उन्हें कई बार संबंधित स्थानों पर जाना पड़ा। इसी समर्पण और मेहनत के कारण जिले में आंकड़ों का सही अद्यतन एवं सभी मकानों की गणना सुनिश्चित हो सकी। कलेक्टर श्रीमती चौहान ने विश्वास व्यक्त किया है कि जनगणना के द्वितीय चरण में भी सभी अधिकारी और कर्मचारी इसी कर्मठता, प्रतिबद्धता और टीम भावना के साथ कार्य कर जिले को नई उपलब्धियां दिलाएंगे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर ज्ञानदीप मंडल का व्यापक जन-जागरण अभियान

नगर के प्रमुख चौराहों एवं वार्डों में पहुंचकर दिलवाया नशामुक्ति का संकल्प

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ज्ञानदीप मंडल द्वारा नगर में एक व्यापक जन-जागरण एवं नशा मुक्ति अभियान आयोजित किया गया। मंडल के संस्थापक अध्यक्ष विजय बाफना के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित इस अभियान का उद्देश्य केवल औपचारिकता निभाना नहीं, बल्कि समाज में तंबाकू एवं नशे के दुष्परिणामों के प्रति वास्तविक जागरूकता उत्पन्न करना था।

ज्ञानदीप मंडल के सदस्यों ने विभिन्न टोलियों के रूप में नगर के प्रमुख स्थलों अंबेडकर चौराहा, सोमेश्वर चौराहा, शीतला माता बस स्टैंड, कन्या शाला,मोदी चौराहा, कचहरी चौक, मुख्य बस स्टैंड, वार्ड क्रमांक 9 एवं वार्ड क्रमांक 15 सहित विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण किया। इस दौरान माइक के माध्यम से आमजन को तंबाकू, गुटखा, बीड़ी एवं सिगरेट जैसे नशों से होने वाले गंभीर स्वास्थ्य दुष्परिणामों की जानकारी दी गई तथा लोगों को इन आदतों को छोड़ने हेतु प्रेरित किया गया।

अभियान के दौरान तंबाकू निषेध संबंधी संदेशों एवं तथ्यों से युक्त तख्तियां और जागरूकता सामग्री (पेंपलेट)वितरित की गई। मंडल सदस्यों ने लोगों से सीधे संवाद कर उन्हें नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित किया तथा अनेक नागरिकों से तंबाकू, बीड़ी सिगरेट, गुटका त्यागने का संकल्प पत्र भी भरवाया।

वार्ड क्रमांक 9 में पार्षद के सहयोग से क्षेत्रवासियों को एकत्रित कर नशामुक्ति का संदेश दिया गया। वहीं वार्ड क्रमांक 15 में महिलाओं ने विशेष उत्साह के साथ अभियान में सहभागिता करते हुए इस प्रकार के जनहितकारी प्रयासों की सराहना की तथा समाज में निरंतर ऐसे आयोजन किए जाने की आवश्यकता बताई।

अभियान के दौरान शेखर यादव (नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि), सुखराम देवदा (पार्षद), कन्हैयालाल गुर्जर (एल्डरमैन), अब्दुल खालिद बादशाह (पूर्व पार्षद) सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर अभियान का समर्थन किया।

ज्ञानदीप मंडल के सदस्य राजेश जैन, पंकज पंड्या, अर्जुन सिंह पवार, हेमराज पवार, राजेश्वर त्रिवेदी, दिनेश कुमार हारोड़, वैभव चौरड़िया सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

अभियान के संयोजक पवन पाटोदी ने बताया कि ज्ञानदीप मंडल सदैव सकारात्मक सोच एवं रचनात्मक प्रयासों के माध्यम से समाज में वास्तविक जागृति लाने का प्रयास करता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने आसपास कम से कम एक व्यक्ति को भी तंबाकू एवं नशे की लत से मुक्त कराने में सफल हो जाए, तो यह अभियान अपने उद्देश्य में सफल माना जाएगा।

मंडल के संस्थापक अध्यक्ष विजय बाफना ने कहा कि समाज में परिवर्तन केवल संदेश देने से नहीं, बल्कि जनभागीदारी एवं निरंतर प्रयासों से आता है। तंबाकू मुक्त समाज का निर्माण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और प्रत्येक नागरिक को इस दिशा में अपना योगदान देना चाहिए।

अभियान के समापन पर सभी उपस्थित नागरिकों ने स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु सहयोग करने का संकल्प लिया।

उक्त जानकारी ग्रुप के सचिव प्रदीप पांडे ने दी।

उन्हेल मे मन की बात सुनी गई

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात को घटिया विधानसभा क्षेत्र के उन्हेल मंडल बूथ क्रमांक 64 में कार्यकर्ताओं एवं किसान भाइयों के साथ श्रवण किया। प्रधानमंत्री जी के प्रेरणादायी विचारों ने समाज सेवा, आत्मनिर्भर भारत एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को और अधिक मजबूत करने का कार्य किया। इस अवसर पर किसान मोर्चा जिला महामन्त्री श्री नंदराम जी धाकड़, नगर परिषद अध्यक्ष श्री शांतिलाल जी,एवं मंडल अध्यक्ष श्री राजकुमार जी जैन भी उपस्थित रहे।

रूपाखेड़ा में खेत पर किसानों की चौपाल लगाकर सुनी मन की बात

मन कि बात समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान देने की प्रेरणा देती है-राठोड़

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 134वें एपिसोड का रविवार को बदनावर मंडल सहित विधानसभा क्षेत्र के सभी छह मंडलों में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से श्रवण किया। कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। इस बार सहकारी समितियों में भी विशेष रूप से कार्यक्रम का प्रसारण सुनने की व्यवस्था की गई।

ग्रामीण मंडल के ग्राम रूपाखेड़ा स्थित पटेल फ्लावर्स फार्म हाउस पर प्रधानमंत्री के ÷मन की बात÷ कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण एवं किसान संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री नरेंद्र राठौड़ रहे। विशेष अतिथियों में वरिष्ठ भाजपा नेता ईश्वरलाल पाटीदार, सरदार सेना अध्यक्ष रतनलाल पाटीदार, मुलथान सरपंच देवेंद्र मोदी, कार्यक्रम संयोजक शिवरामसिंह रघुवंशी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष हितेंद्र सिंह, मंडल अध्यक्ष गोविंद सिंह रघुवंशी अतिथि रूप में मौजूद थे। युवा उन्नत किसान यश पटेल ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नरेंद्र राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का 'मन की बात' कार्यक्रम केवल एक रेडियो प्रसारण नहीं, बल्कि देशवासियों को प्रेरित करने वाला जनसंवाद है। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तियों, नवाचारों, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों को प्रमुखता से सामने लाया जाता है। 'मन की बात' हमें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक करती है और समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान देने की प्रेरणा देती है। प्रधानमंत्री जी द्वारा साझा किए गए विचार और उदाहरण युवाओं, किसानों, महिलाओं, विद्यार्थियों तथा आम नागरिकों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होते हैं। यह कार्यक्रम देश के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे उत्कृष्ट कार्यों को पहचान दिलाकर लोगों में कुछ नया और बेहतर करने का उत्साह जगाता है। अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

इस मौके पर नीलेश गुर्जर, दिलीप पाटीदार, सीताराम पटेल, मोतीलाल पाटीदार, देवनारायण पाटीदार, दिनेश केलवा, घनश्याम पटेल, मोहन पटेल, जमनालाल पाटीदार, हरि पटेल, दीक्षित बोहरा, राजू चौधरी, कमल राठौर एवं कन्हैयालाल पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गांव ढोलाना में भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेमचंद परमार, किसान मोर्चा जिला मंत्री गजेंद्र सिंह डोडिया की मौजूदगी में मन की बात सुनी गई। संदला सोसायटी में पूर्व राज्यमंत्री महेंद्रसिंह पिपलीपाडा के आतिथ्य में किसानों ने मन की बात एपिसोड को सुना।

विधानसभा क्षेत्र के सभी छह मंडलो के बूथों के अलावा इस बार तहसील की सभी 22 सहकारी सोसायटियों में भी इस बार विशेष आयोजन हुए। जहां किसानों की मौजूदगी में भाजपा नेताओं ने मन की बात सुनी। यह जानकारी भाजपा के जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज सोलंकी कवि ने दी।

नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जनभागीदारी अभियान जारी

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर जिले को नशामुक्त बनाने और भावी पीढ़ी को व्यसनों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान के निर्देशों के अनुपालन में विश्व तंबाकू निषेध दिवस के उपलक्ष्य में जिले भर में नशामुक्ति के प्रति नागरिकों को जागरूक किया जा रहा है।

संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी संयुक्त संचालक (सामाजिक न्याय) श्री विनोद सिंह ने बताया कि जिले में विगत एक सप्ताह से विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नशामुक्ति जागरूकता रथों और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से आमजन को तंबाकू, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों से अवगत कराया गया। ये जागरूकता रथ ग्वालियर की सभी विधानसभा क्षेत्रों में भ्रमण कर ऑडियो संदेशों, पंपलेट वितरण और जनसंवाद के जरिए लोगों को नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर आयोजित नुक्कड़ नाटकों में कलाकारों ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे के कारण उत्पन्न होने वाली सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सजीव चित्रण किया। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में उपस्थित नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों की जानकारी देने के साथ ही जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार का नशा न करने का संकल्प दिलाया गया।

बदनावर नगर में मन की बात सामाजिक कार्यकर्ता पदाधिकारीयों के साथ बैठकर सुनी गई

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बदनावर नगर में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज मन की बात का 134 वा एपिसोड का प्रसारण सभी बूथ पर मन की बात के प्रभारी उपस्थित होकर वरिष्ठ जन सामाजिक कार्यकर्ता पदाधिकारीयों के साथ बैठकर सुनी गई एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी जी ने कहा कि लोग देश हित में बढ़ चढ़कर काम कर रहे हैं सेवा करने के लिए बहुत बड़े साधन की आवश्यकता नहीं होती है सिर्फ एक मजबूत इरादा होना चाहिए साथ ही उन्होंने सरकार की ओर से जारी गाइडलाइन का पालन करें को कहा देश के विभिन्न क्षेत्र में आम की किस्म की पैदावार की जानकारी दी आज देश के युवा सामाजिक क्षेत्र में बड चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं बुथ क्रमांक 71 पर वयोवृद्ध भाजपा के वरिष्ठ औकार लाल जी पवार के साथ बैठकर मन की बात कार्यकर्ताओं ने सुनी इस अवसर पर औकार लाल जी पवार ने कहा कि हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री जी की मन की बात से देश के कोने-कोने हो रहे सामाजिक कार्य विकास की की जानकारी मिल जाती है एवं नए-नए कार्यों को करने की युवाओं को प्रेरणा मिलती है इस मनकी बात कार्यक्रम देखने से कई युवा वर्ग सामाजिक कार्यों में रुचि ले रहे हैं बुथ क्रमांक 77 पर नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर ने कहा कि मन की बात सुनने वालों को हमारे प्रधानमंत्री मन की बात कह कर लोगों का युवाओं का उत्साह वर्धन कर रहे हैं इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर जी यादव पूर्व मंडल अध्यक्ष अक्षय शर्मा जिला सह मीडिया प्रभारी मनोज जी सोलंकी कन्हैया लाल गुर्जर मितेश शर्मा के साथ ही कार्यकर्ता उपस्थित रहे बुथ प्रभारी 71 के राजेश पहलवान दिलीप सिंह चौहान भाजपा पिछड़ा नगर मंडल अध्यक्ष प्रदीप पवार सुनील श्रीवास्तव नितिन चौहान शांतनु पवार आदि उपस्थित रहे साथ ही नगर के विभिन्न बुथ के प्रभारी संतोष राव पवन चावला गौरव होती अंशुमान जोशी सुनील परमार कन्हैया लाल गुर्जर राजेंद्र सिंह पवार नितेश शर्मा ओमप्रकाश सोनिगर। आशीष सोनी राहुल जैन श्रीमती प्रीति रावल अलका सोनी अनीता चौहान मंजुला मेहता पीयूष मुणत अमित गांधी दीपक परमार चिंटू पाटीदार रवि पाटीदार द्वारा अपने अपने बुथ पर पहुंच कर कार्यकर्ताओं पदाधिकारी के साथ मनकी बात सुनी उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी दिलीप सिंह चौहान ने दी।

थाना उन्हेल पुलिस द्वारा 24 घंटे के अंदर अंधे कत्ल का खुलासा

ग्रामीण जनों ने की पुलिस की भूरी -भूरी प्रशंसा

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। पुलिस अधीक्षक महोदय उज्जैन श्री प्रदीप शर्मा के कुशल निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) श्री आलोक शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक नागदा श्री विक्रम अहिरवार के कुशल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी उन्हेल संतोष चौहान व टीम द्वारा थाना क्षेत्र उन्हेल में हुये अंधे कत्ल का 24 घण्टे के अंदर खुलासा किया।

पुलिस कार्यवाही का विवरण दिनांक 30.05.26 को सूचना मिली कि ग्राम पिपलियाडाबी में भारत सिंह पिता भगवान सिंह राजपूत निवासी पिपलियाडावी लाश उसके खेल में पड़ी है। सूचना पर थाना प्रभारी उन्हेल निरी. संतोष चौहान मय फोर्स के ग्राम पिपलियाडाबी घटनास्थल पर पहुंचे जहां मृतक भारत सिंह की लाश खेत में पड़ी थी जिसके सिर में किसी भारी वस्तु से चोट लगी होकर सिर से खून निकला था। जिसकी अज्ञात आरोपी के द्वारा हत्या की गई थी । मामले में अपराध क्रमांक 208/2026 धारा 103 (1) बीएनएस का पंजीबद्ध कर उक्त अपराध को गंभीरता से लेते हुऐ विवेचना के दौरान मुखबीर सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मृतक भारत सिंह की पत्नी सोनाकुंवर एव गाँव के ही जितेन्द्र पिता सुरेसिंह राजपूत निवासी पिपलियाड़ाबी के बीच प्रेम प्रसंग की जानकारी मिलने पर दोनो को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई। पूछताछ में मृतक भारत सिंह की पत्नी सोनाकुंवर एवं परिवार में देवर जो पड़ोस में ही रहने वाले जितेन्द्र सिंह मे बताया की दोनो विगत पांच वर्ष से पति पत्नी की तरह सबंध है सोनाकुवंर ने पुछताछ में बताया की मृतक भारत सिंह शराब पीकर मेरे साथ मारपीट करता था एवं मृतक भारतसिहं के स्वामित्व की कृषि भूमि बेचना चाहता था जो उक्त जानकारी सोनाकुंबर को लगने पर अपने प्रेमी जितेन्द्र सिंह के साथ मिलकर अपने पति भारत सिंह को मारने की योजना बनाई जो योजना अनुसार दिनांक 29.05.26 की रात्रि करीबन 10.00 बजे के आसपास आरोपी जितेन्द्र सिंह मृतक भारत सिंह को शराब पिलाने के बहाने मृतक के खेत पर ले गया जहां दोनों ने शराब पी इसी बीच मौका देखकर सेढ़े पर रखे पत्थर से भारत सिंह के सिर पर वार कर भारत सिंह की हत्या कर दी। उक्त घटनाक्रम आरोपी जितेन्द्र सिंह ने मृतक भारत सिंह की पत्नी आरोपीया सोनाकुंवर के साथ प्रेम संबंध में बाधा बनने पर एवं मृतक के द्वारा स्वयं की जमीन बेचने का प्रयास करने पर योजनाबद्ध तरीके से मृतक भारत सिंह की हत्या कर दी।

मामले में आरोपी जितेन्द्र सिहं व सोनाकुंवर पति भारत सिंह निवासी पिपलियाडावी को गिरफ्तार किया गया है। प्रकरण में अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

उक्त सनसनी खेज प्रकरण एव अज्ञात आरोपीयो की पतारसी एव गिरफ्तारी मे थाना उन्हेल के निम्न अधि/कर्मचारीयो का सहारनीय योगदान है निरी. संतोष चोहान, उनि, एम, एल मालवीय प्रआर. 352 रामेश्वर पटेल, प्र.आर. 1145 महेन्द्र मिश्रा, प्रआर. 437 प्रेम सबरवाल, म.प्रआर. 1513 शर्मिष्ठा शुक्ला, आर. 1026 अखिलेश, आर. 1630 संजीव, आर. 198 कृपाशंकर की रही।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों का जायजा लेने बड़ावदा पहुंचे कलेक्टर एवं एसपी

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों के तहत कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने रविवार को बड़ावदा क्षेत्र का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए प्रस्तावित पंडाव स्थलों एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम जावरा श्री सुनील जायसवाल, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने सिंहस्थ से संबंधित प्रस्तावित विकास कार्यों, सुगम यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा श्रद्धालुओं के लिए किए जा रहे इंतजामों का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक बुनियादी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने भूतेड़ा, बड़ावदा तथा 8-लेन मार्ग पर विकसित किए जा रहे दो रेस्ट एरिया (विश्राम स्थल) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए।

सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न स्तरों पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं और सुगम व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

लगातार 9वीं बार बागली विधानसभा ने रचा इतिहास

मन की बात कार्यक्रम की 100% रिपोर्टिंग के साथ जिले में पुनः प्रथम स्थान, विधायक मुरली भंवरा के नेतृत्व में संगठनात्मक क्षमता का शानदार प्रदर्शन

बागली/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय मासिक कार्यक्रम मन की बात के 134वें एपिसोड के सफल आयोजन एवं शत-प्रतिशत ऑनलाइन रिपोर्टिंग के साथ बागली विधानसभा क्षेत्र ने एक बार फिर जिले में अपना परचम लहराया है। बागली विधानसभा ने लगातार 9वीं बार 100त्न रिपोर्टिंग पूर्ण कर जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर संगठनात्मक मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और नेतृत्व की उत्कृष्ट कार्यशैली का परिचय दिया है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के पीछे बागली विधानसभा के लोकप्रिय जननायक, कर्तव्यनिष्ठ एवं कुशल संगठनात्मक नेतृत्वकर्ता विधायक श्री मुरली भंवरा का सशक्त मार्गदर्शन और सतत मॉनिटरिंग रही। विधायक श्री भंवरा के निर्देशन में विधानसभा के प्रत्येक बूथ पर मन की बात कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया, जहां बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के प्रेरणादायी विचारों को सुना।

कार्यक्रम के उपरांत सभी बूथ अध्यक्षों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा निर्धारित समय सीमा में ऑनलाइन रिपोर्टिंग का कार्य पूर्ण किया गया। जिन बूथों पर तकनीकी समस्याएं अथवा ऑनलाइन अपलोडिंग में किसी प्रकार की कठिनाई सामने आई, वहां विधायक कार्यालय की टीम द्वारा तत्काल सहयोग प्रदान कर समस्याओं का समाधान किया गया। परिणामस्वरूप विधानसभा के प्रत्येक बूथ की रिपोर्टिंग समय पर पूर्ण हुई और बागली विधानसभा ने पुनः जिले में प्रथम स्थान हासिल किया।

राजनीतिक एवं संगठनात्मक जानकारों का मानना है कि किसी भी बड़े कार्यक्रम की सफलता केवल आयोजन तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसकी प्रभावी मॉनिटरिंग, कार्यकर्ताओं के साथ सतत संवाद और समयबद्ध क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। बागली विधानसभा ने इन सभी मानकों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए लगातार नौवीं बार यह उपलब्धि अर्जित की है, जो पूरे जिले के लिए एक मिसाल बन गई है।

विधायक श्री मुरली भंवरा ने इस सफलता का श्रेय भाजपा मंडल अध्यक्ष संगठन के समर्पित कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों तथा सभी जनप्रतिनिधियों को देते हुए कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है। इसी समर्पण और अनुशासन का परिणाम है कि बागली विधानसभा लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।

इस अवसर पर विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने इसे संगठन की सामूहिक मेहनत, मजबूत टीम भावना और विधायक श्री मुरली भंवरा के प्रभावी नेतृत्व का परिणाम बताया।

सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई- बागली विधानसभा की इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर सभी बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र प्रभारियों, मंडल पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं देवतुल्य कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। यह सफलता आने वाले समय में भी संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की प्रेरणा प्रदान करेगी।

जहां नेतृत्व में समर्पण हो, कार्यकर्ताओं में जुनून हो और संगठन सर्वोपरि हो, वहां सफलता स्वयं इतिहास बन जाती है।

कलेक्टर के निर्देशन में जतरापुरा में जोखिमग्रस्त बच्चों हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशन में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं जिला क्षयरोग संघ विदिशा के संयुक्त तत्वावधान में जतरापुरा स्थित सफल शिक्षा सेवा समिति भवन में बाल भिक्षावृत्ति, कचरा-पन्नी बीनने वाले एवं अन्य जोखिमग्रस्त बच्चों तथा उनके परिवारों के लिए विशेष निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य समाज के वंचित एवं जोखिमग्रस्त वर्ग के बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना तथा उनके बेहतर स्वास्थ्य एवं संरक्षण को सुनिश्चित करना था। शिविर में कुल 70 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिनमें 50 बच्चे एवं 20 वयस्क शामिल रहे। चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण के साथ आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। शिविर में वरिष्ठ शल्य चिकित्सक डॉ. राजीव जैन ने सर्जिकल परामर्श, डॉ. सुरेंद्र सोनकर ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण, डॉ. महेंद्र सिंह रघुवंशी ने श्वसन एवं फेफड़ों संबंधी रोगों की जांच, डॉ. सचिन गर्ग ने अस्थि एवं जोड़ रोगों का परीक्षण तथा डॉ. रूपिका गर्ग ने महिला स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया। इसके अतिरिक्त डॉ. श्रेयश पितलिया एवं डॉ. दक्षा पितलिया ने भी अपनी सेवाएं देकर शिविर को सफल बनाया। शिविर के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती विनीता लोढ़ा द्वारा उपस्थित बच्चों एवं उनके अभिभावकों को स्वास्थ्य शिविर के उद्देश्य, स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व तथा बच्चों के समग्र विकास एवं स्वास्थ्य संरक्षण से संबंधित विभिन्न पहलुओं की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा एवं नियमित देखभाल के प्रति जागरूक एवं सजग रहने का आग्रह भी किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में महिला एवं बाल विकास विभाग से सहायक संचालक श्री विवेक शर्मा, श्री संतोष रघुवंशी, श्री अनुज जैन, श्री राजीव कौल, श्री महेंद्र धाकड़ एवं सुश्री नेहा रघुवंशी सहित विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जिले के 4 लाख 39 हजार 610 मकानों की गणना पूरी

सीहोर जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सीहोर जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना (हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन) का कार्य 30 मई 2026 को सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। यह कार्य 1 मई 2026 से प्रारंभ हुआ था, जिसके तहत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर मकानों तथा परिवारों से संबंधित जानकारी मोबाइल एप के माध्यम से एकत्रित की गई।

इस बार जनगणना की प्रक्रिया पूर्णतः डिजिटल माध्यम से संचालित की गई, जिससे कार्य की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित हुई। जनगणना के दौरान नागरिकों द्वारा प्रदान की गई सभी व्यक्तिगत जानकारी को जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियमावली 1990 के तहत पूर्णतः गोपनीय रखा जाएगा तथा इन आंकड़ों का उपयोग केवल नीति निर्माण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाएगा।

जिला जनगणना कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में यह कार्य 10 तहसीलों और 9 नगरीय निकायों सहित कुल 19 प्रभार क्षेत्रों में संपादित किया गया। अभियान के तहत 2405 हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में लगभग 2501 प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों ने कार्य किया, जबकि 307 प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को रिजर्व रखा गया था। निर्धारित अवधि में जिले के 4 लाख 39 हजार 610 मकानों की गणना पूरी की गई।

इससे पूर्व 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया संचालित की गई थी, जिसमें जिले के 3115 परिवारों ने स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कराई। जनगणना 2027 के द्वितीय चरण में जनसंख्या गणना (पॉपुलेशन एन्यूमरेशन) का कार्य फरवरी 2027 में किया जाएगा।

जिला जनगणना कार्यालय सीहोर ने इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए आगामी चरण में भी इसी प्रकार सहयोग की अपेक्षा जताई है।

कृषि विभाग के कृषक सभा गृह में हुआ 'मन की बात' कार्यक्रम का सामूहिक श्रवण प्रधानमंत्री के संदेशों को आत्मसात करने का किया आह्वान

मंत्री ने प्राकृतिक खेती एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाए जाने पर दिया जोर

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का सामूहिक श्रवण रविवार को प्रातः 11ः00 बजे कृषि विभाग के कृषक सभा गृह, झाबुआ में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश शासन की महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित कृषक बंधुओं ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने खेल, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण, सांस्कृतिक विरासत, विज्ञान, जल संरक्षण तथा समाज सेवा जैसे विभिन्न विषयों पर देशभर के प्रेरणादायक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए जनभागीदारी की शक्ति को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने भीषण गर्मी के मौसम में लोगों से स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने तथा स्वयं एवं अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने भारतीय पारंपरिक पेय पदार्थों की उपयोगिता पर भी प्रकाश डालते हुए आम पन्ना, लस्सी, छाछ, सत्तू, कोकम शरबत तथा बेल पना जैसे पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक पेयों के महत्व को बताया। उन्होंने देश में आम की विभिन्न प्रसिद्ध किस्मों का उल्लेख करते हुए आम उत्पादक किसानों के योगदान की सराहना भी की।

सभा गृह में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा कि आज सभी लोग देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनने के लिए एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री प्रत्येक माह मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, खेल, विज्ञान, पर्यावरण एवं सामाजिक नवाचारों से जुड़े प्रेरणादायक विषयों को देशवासियों के साथ साझा करते हैं। यह कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन और जनजागरूकता का सशक्त मंच बन चुका है।

सुश्री भूरिया ने उपस्थित कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से इनके अवशेष खाद्य श्रृंखला में शामिल हो रहे हैं, जिसका प्रतिकूल प्रभाव मानव स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसलिए किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर अग्रसर होना चाहिए तथा मोटे अनाज (श्री अन्न) के उत्पादन को बढ़ावा देना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पहले बीपी एवं डायबिटीज जैसी बीमारियों को शहरों तक सीमित माना जाता था, किंतु अब ये समस्याएं ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार तथा प्राकृतिक कृषि पद्धतियों को अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने उपस्थित कृषकों से प्रधानमंत्री द्वारा मन की बात कार्यक्रम में दिए गए संदेशों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) झाबुआ श्री महेश कुमार मंडलोई, उप संचालक कृषि विभाग श्री नगीन रावत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में कृषक बंधु उपस्थित रहे।

कृषि उप संचालक ने की आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी खरीफ सीजन में किसानों को समय पर कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने एवं मौसम आधारित कृषि प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए कृषि उप संचालक श्री अशोक कुमार उपाध्याय ने वीसी के माध्यम से विभागीय अधिकारियों की बैठक आयोजित कर आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों की समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने किसानों के हित में व्यापक जागरूकता एवं परामर्श गतिविधियां संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों के निर्देशित किया कि ग्राम स्तर तक उर्वरकों और गुणवत्तायुक्त बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए तथा किसानों को उपलब्ध किस्मों एवं निर्धारित विक्रय दरों की जानकारी समय पर प्रदान की जाये।

भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस वर्ष खरीफ में मध्य प्रदेश के मध्य क्षेत्र में सामान्य से कम वर्षा होने की संभावना जताई गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों को कम अवधि में पकने वाली सोयाबीन की किस्मों के बारे में जानकारी दी जाए।

किसानों को सलाह- किसान बुवाई के समय सोयाबीन की प्रमुख किस्में जेसे JS 20-34 (85-88 दिन), JS 20-98 (90-92 दिन), JS 24-33 (90-92 दिन), NRC 130 (90-95 दिन), NRC 150 (90-91 दिन) का उपयोग कर सकते हैं। ये किस्में कम पानी और 80 से 95 दिन में तैयार हो जाती है। बैठक में जलभराव वाले क्षेत्रों में धान की खेती पर जोर दिया गया है। इस दौरान बताया गया कि जब मानसून की पहली या दूसरी अच्छी बारिश हो जाए और खेत की मिट्टी में तीन से चार इंच गहरी नमी बैठ जाये तभी बोवनी शुरू करनी चाहिए।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

तंबाकू एवं नशे से दूर रहकर स्वस्थ समाज के निर्माण का लिया संकल्प

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा जारी निर्देशों के क्रम में कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, जिला झाबुआ द्वारा कृषि मंडी परिसर झाबुआ में जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के नागरिकों, युवाओं एवं बच्चों को तंबाकू एवं अन्य नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त जीवन के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में स्थानीय भीली बोली में गीतों की प्रभावी प्रस्तुति के माध्यम से तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक एवं आर्थिक दुष्परिणामों की जानकारी दी गई।

उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग श्री पंकज सांवले ने उपस्थितजनों को संबोधित करते हुए कहा कि तंबाकू का सेवन केवल व्यक्ति विशेष को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसका पूरा परिवार इसके दुष्परिणामों को भुगतता है। तंबाकू सेवन से आर्थिक हानि होने के साथ-साथ कैंसर सहित अनेक गंभीर एवं जानलेवा बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने सभी नागरिकों से तंबाकू एवं अन्य नशे की आदतों से दूर रहने का आह्वान किया।

गायत्री परिवार के श्री घनश्याम बैरागी ने भी तंबाकू सेवन से होने वाली विभिन्न बीमारियों एवं स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों की जानकारी देते हुए लोगों से इसके सेवन का त्याग करने का आग्रह किया। वहीं ब्रह्मकुमारी संस्था की ज्योति दीदी ने प्रदर्शनी के माध्यम से तंबाकू एवं विभिन्न प्रकार के नशों के दुष्प्रभावों को विस्तार से समझाया तथा सकारात्मक एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम से प्रेरित होकर अनेक ग्रामीणजनों ने तंबाकू का सेवन छोड़ने का संकल्प लिया। इनमें श्री कुंवारसिंह भाबोर , श्री खेलू पारगी निवासी माछलिया तथा श्री मुकेश डामोर निवासी करड़ावद सहित अन्य ग्रामीणों ने सार्वजनिक रूप से तंबाकू त्यागने की शपथ ली।

कार्यक्रम के दौरान सामाजिक न्याय विभाग द्वारा उपस्थित युवाओं, बच्चों एवं नागरिकों को तंबाकू एवं तंबाकूजनित उत्पादों के साथ-साथ किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई गई। साथ ही सभी से स्वस्थ, जागरूक एवं नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री सुनील तिवारी ने सभी विभागों, ब्रह्मकुमारी संस्था, गायत्री परिवार, अशासकीय संस्थाओं एवं उपस्थित जनसमुदाय का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में ब्रह्मकुमारी संस्था से ज्योति दीदी, गायत्री परिवार से श्री घनश्याम बैरागी, सारा सेवा संस्थान से श्री जिम्मी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी श्री सुनील तिवारी, श्री प्रियंक पाटीदार, कलापथक दल की श्रीमती सुमन सलाम एवं श्रीमती कुसुम भूरिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

15 जून से आईएसबीटी से भी मिलेंगीं मुरैना एवं भिण्ड के लिए बसें

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर में यातायात प्रबंधन के लिये ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने संयुक्त रूप से बैठक लेकर यातायात प्रबंधन के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। ग्वालियर से मुरैना एवं भिण्ड जाने वाले यात्रियों के लिये अब पुराने बस स्टेण्ड के साथ-साथ ग्वालियर में नवनिर्मित आईएसबीटी (अंतर्राज्यीय बस अड्डा) से भी यात्री बसें उपलब्ध होंगीं। इस आशय का निर्णय बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में बस ऑपरेटर्स यूनियन के सदस्यों ने भी इस निर्णय पर सहमति प्रदान की। ऊर्जा मंत्री श्री तोमर एवं सांसद श्री कुशवाह ने सभी व्यवस्थायें पूर्ण कर 15 जून से आईएसबीटी से भी बसों का संचालन प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में रविवार को यातायात प्रबंधन के संबंध में आयोजित बैठक में ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर एवं सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह ने संयुक्त रूप से शहर की यातायात व्यवस्था को और बेहतर बनाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव, भाजपा के ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री प्रेम सिंह राजपूत, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय, जिला परिवहन अधिकारी श्री विक्रमजीत सिंह कंग सहित जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों का जायजा लेने बड़ावदा पहुंचे कलेक्टर एवं एसपी

पंडाल स्थलों, यातायात और सुरक्षा व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

बड़ावदा/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी सिंहस्थ महापर्व-2028 की तैयारियों के तहत कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री अमित कुमार ने शनिवार को बड़ावदा क्षेत्र का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं के लिए प्रस्तावित पंडाल स्थलों एवं विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम जावरा श्री सुनील जायसवाल, लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री चौहान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने सिंहस्थ से संबंधित प्रस्तावित विकास कार्यों, सुगम यातायात प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा श्रद्धालुओं के लिए किए जा रहे इंतजामों का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक बुनियादी व्यवस्थाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने भूतेड़ा, बड़ावदा तथा 8-लेन मार्ग पर विकसित किए जा रहे दो रेस्ट एरिया (विश्राम स्थल) का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए और सभी कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए।

सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न स्तरों पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं और सुगम व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

केंद्रीय मंत्री श्री चौहान स्ट्रीट वेंडर संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए

विदिशा/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज विदिशा नगरीय क्षेत्र के बड़ा बाजार में आयोजित स्ट्रीट वेंडर संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने यहां स्ट्रीट वेंडर योजना तहत लाभान्वित हितग्राहियों के साथ मंच सांझा कर योजना के माध्यम से उनके जीवन में आए बदलावों को जाना। स्ट्रीट वेंडर योजना से लाभांवित हितग्राहियों ने भी मंच से ही माइक से अपने जीवन में आए बदलावों और योजना का उनके जीवन में क्या योगदान रहा है को रेखांकित किया है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में उपस्थित योजना से लाभांवित हितग्राहियों का पुष्प वर्षा कर स्वागत भी किया।

केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोविड-19 के दौर में लोगों को रोजी-रोटी की परेशानी हो रही थी ऐसे विपरीत समय में देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा स्ट्रीट वेंडर योजना की शुरुआत की और आज इस योजना का लाभ छोटे छोटे व्यवसाईयों को मिल रहा है। वह ऋण के माध्यम से अपने घर परिवार का संचालन कर पालन पोषण कर रहे हैं। इस योजना ने कई लोगों की जिंदगी बदल दी है। योजना के माध्यम से 10, 20 और 25 हजार रुपए तक की ऋण राशि उपलब्ध कराई गई और अब यह 15, 25 और 50 हजार तक हो गई है। उन्होंने सभी छोटे व्यवसायियों को इस योजना का लाभ लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जो भी छोटे व्यवसायी इस योजना से वंचित है। वह फॉर्म भरें ताकि उन्हें इस योजना का लाभ मिल सके। उन्होंने स्ट्रीट वेंडर योजना से लाभान्वित हितग्राहियों से संवाद करते हुए कहा कि दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं है छोटे व्यवसायी मेहनत कर धनपति बन सकते हैं इसलिए वह योजना का लाभ लेकर जीवन में आगे बढ़े। केंद्रीय मंत्री श्री चौहान ने इस दौरान नगर पालिका को भी निर्देश दिए कि वह विशेष अभियान के रूप में इस योजना का क्रियान्वयन कर सभी पात्र हितग्राहियों को स्ट्रीट वेंडर योजना का लाभ देने का कार्य करें।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

15 अगस्त तक उज्जैन की सड़कों पर दौड़ सकती हैं 100 इलेक्ट्रिक बसें

बस सप्लाई के लिए वर्क ऑर्डर जारी, चार्जिंग स्टेशन और डिपो निर्माण का 30 प्रतिशत काम पूरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत उज्जैन में 100 इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने की तैयारी तेज हो गई है। यदि सभी कार्य तय समय पर पूरे हुए तो आगामी 15 अगस्त तक शहर की सड़कों पर इलेक्ट्रिक बसें दौड़ती नजर आ सकती हैं।

परियोजना के तहत बसों की आपूर्ति करने वाले वेंडर को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया गया है। वहीं बसों के संचालन के लिए आवश्यक चार्जिंग स्टेशन और डिपो निर्माण का कार्य भी तेजी से चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार अब तक करीब 30 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और शेष काम भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा।

जानकारी के अनुसार राज्य शासन ने 15 अगस्त तक इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू करने का लक्ष्य तय किया है। इसी के अनुरूप तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि उज्जैन में 100 इलेक्ट्रिक बसें लोक परिवहन व्यवस्था का हिस्सा बनेंगी, जिससे यात्रियों को बेहतर, सुविधाजनक और प्रदूषण मुक्त सफर का लाभ मिलेगा।

शहर में बसों के संचालन के लिए चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आधुनिक चार्जिंग स्टेशन और बस डिपो बनाए जा रहे हैं, जहां बसों के रखरखाव और चार्जिंग की व्यवस्था होगी। परियोजना अधिकारी संदीप सोनी ने बताया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

इलेक्ट्रिक बसों के अलावा प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी क्षेत्रीय परिवहन सेवा 'कैसरिया बस' योजना भी उज्जैन तक पहुंचने की तैयारी में है। मध्य प्रदेश राज्य परिवहन निगम की ओर से शुरू की जा रही यह सेवा जुलाई में इंदौर से प्रारंभ होने की संभावना है। इसके बाद अगस्त-सितंबर में उज्जैन को भी इससे जोड़ा जा सकता है। कैसरिया बस सेवा शुरू होने के बाद उज्जैन से इंदौर, शाजापुर, बड़नगर, महिदपुर सहित आसपास के शहरों तक आवागमन आसान होगा। इससे यात्रियों को निजी वाहनों पर निर्भरता कम करने और सुरक्षित व सस्ती यात्रा का विकल्प मिलेगा। शहर में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से एक ओर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होगी, वहीं दूसरी ओर प्रदूषण में कमी लाने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने में भी मदद मिलेगी। प्रशासन और संबंधित एजेंसियां फिलहाल निर्धारित समय सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने में जुटी हुई हैं।

परियोजना की प्रमुख बातें

-15 अगस्त तक 100 इलेक्ट्रिक बसें शुरू करने का लक्ष्य

-बस सप्लाई के लिए वेंडर को वर्क ऑर्डर जारी

-चार्जिंग स्टेशन और डिपो निर्माण का 30त्न कार्य पूरा

-प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के तहत होगा संचालन

-कैसरिया बस सेवा से भी जल्द जुड़ेगा उज्जैन

-इंदौर, शाजापुर, बड़नगर और महिदपुर तक बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

विनोद लुल्ला बने राष्ट्रीय सिंधी मंच के जिलाध्यक्ष

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय सिंधी मंच उज्जैन जिले की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। महेश परियानी के नेतृत्व में संपन्न हुए कार्यक्रम में सर्वसम्मति से विनोद लुल्ला को जिलाध्यक्ष चुना गया है। संस्थापक अध्यक्ष रोशनलाल उत्तमानी, संरक्षक राजकुमार परसवानी, चंदीराम जेठवानी और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक बेलानी की अनुशंसा पर जिला टीम का गठन किया गया है। नवीन कार्यकारिणी में सचिव का दायित्व तुलसी राजवानी और कोषाध्यक्ष का प्रभार रवि डोडानी को सौंपा गया है। इसके साथ ही जेठानंद जयसिंघानी, कमल शाहलानी और सौरभ बेलानी को उपाध्यक्ष, विजय भागचंदानी को सहसचिव और नरेंद्र सबनानी को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नितिन भिमवानी, मोंटी जीवनानी, कपिल खत्री, यश खत्री, रवि गंगवानी, राजकुमार धर्मदासानी, जितेश खेमानी, दिलीप वाधवानी, राजकुमार केवलरामानी और श्रीकांत नारायणी को टीम में शामिल किया गया है। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक बेलानी ने किया। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों और मातृशक्ति की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। वरिष्ठजनों में डॉ. सुनील खत्री, दौलत खेमचंदानी, रतनलाल काका, चिमनदास लखानी, महेश गंगवानी, किशोर मुलानी, ललित लुल्ला और लोकेश आडवाणी मौजूद रहे। वहीं मातृशक्ति के रूप में नीलम खत्री, रिंकू बेलानी, शोभा शर्मा, नेहा मोटवानी, पूजा खेमानी, ज्योति थानी, पलक वाधवानी, लता जीवनानी, हर्ष नानवानी, दीपा नारवानी और दीपा लीलानी ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और नवीन कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दीं।

स्वच्छता सर्वेक्षण से पहले निगम ने शुरू की रिहर्सल, क्षीरसागर क्षेत्र में किया अभ्यास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर उज्जैन नगर निगम ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। शहर की स्वच्छता व्यवस्था का आकलन करने के लिए जल्द ही दिल्ली से केंद्रीय टीम उज्जैन पहुंचने वाली है। टीम के दौरे से पहले नगर निगम ने विभिन्न क्षेत्रों में रिहर्सल शुरू कर दी है। रविवार को क्षीरसागर क्षेत्र में स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियों का अभ्यास किया गया। इस दौरान क्षेत्र की गलियों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया। साथ ही दीवारों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों ने निरीक्षण के दौरान दिखाई जाने वाली व्यवस्थाओं का भी अभ्यास किया। रिहर्सल के दौरान सफाई व्यवस्था, कचरा संग्रहण, जनजागरूकता गतिविधियों और क्षेत्र की सुंदरता बढ़ाने के प्रयासों पर विशेष ध्यान दिया गया। निगम का उद्देश्य है कि केंद्रीय टीम के निरीक्षण के समय शहर की स्वच्छता और व्यवस्थाओं का बेहतर प्रदर्शन किया जा सके। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग हासिल करने के लिए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में इसी तरह की तैयारियां लगातार की जा रही हैं। नागरिकों से भी स्वच्छता बनाए रखने और सर्वेक्षण में सहयोग करने की अपील की गई है।

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के विरोध में बहुजन मुक्ति पार्टी ने धक्का मार आंदोलन कर राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों, महंगाई और बेरोजगारी के विरोध में बहुजन मुक्ति पार्टी ने अनोखा प्रदर्शन करते हुए 'धक्का मार आंदोलन' आयोजित किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने दोपहिया वाहनों को धक्का देकर रैली निकाली और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध दर्ज कराया। केंद्र सरकार की नीतियों के विरोध में देश के 625 जिलों में तीन चरणों में राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आंदोलन के तीसरे चरण के तहत उज्जैन में कोठी पैलेस स्थित मेला कार्यालय से धक्का मार रैली निकाली गई, जो संकुल भवन पहुंचकर समाप्त हुई। रैली में कार्यकर्ता हाथों में दोपहिया वाहन लेकर उन्हें धक्का देते हुए चल रहे थे और महंगाई, बेरोजगारी तथा पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ नारे लगा रहे थे। रैली के समापन के बाद भारत मुक्ति महिला मोर्चा एवं बहुजन मुक्ति पार्टी की अध्यक्ष आयुष्यमति गंगा मालवीय के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर नियंत्रण करने तथा आम जनता को राहत देने की मांग की गई। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि लगातार बढ़ती पेट्रोल-डीजल की कीमतों से आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई का सबसे अधिक असर मध्यमवर्गीय और श्रमिक परिवारों पर पड़ा है। परिवहन लागत बढ़ने से दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम भी बढ़ गए हैं, जिससे आम लोगों का घरेलू बजट प्रभावित हो रहा है। मुकेश मालवीय ने बताया कि पिछले एक महीने में पेट्रोल की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है और इसका सीधा असर लोगों की आर्थिक स्थिति पर पड़ रहा है। धक्का मार आंदोलन के माध्यम से सरकार का ध्यान आमजन की समस्याओं की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।

खेलों को बढ़ावा देने के दावे खोखले, उज्जैन के सरकारी स्कूलों में नहीं लगे ग्रीष्मकालीन शिविर

शिक्षा विभाग की लापरवाही से हजारों छात्र वंचित, मई-जून में चलने थे खेल, योग और रचनात्मक गतिविधियों के शिविर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नई शिक्षा नीति के तहत बच्चों को खेल, योग, कला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से सरकारी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित किए जाने थे, लेकिन उज्जैन जिले में यह योजना धरातल पर नहीं उतर सकी। शिक्षा विभाग की उदासीनता के चलते जिले के हजारों विद्यार्थी इस पहल का लाभ लेने से वंचित रह गए।

लोक शिक्षा संचालनालय ने अप्रैल माह में निर्देश जारी कर एक मई से एक जून तक शासकीय स्कूलों में ग्रीष्मकालीन शिविर आयोजित करने को कहा था। इन शिविरों का उद्देश्य विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक विकास को बढ़ावा देना था। शिविरों में खेल गतिविधियों के साथ योग, संगीत, चित्रकला और अन्य रचनात्मक कार्यक्रम शामिल किए जाने थे। जानकारी के अनुसार जिले के अधिकांश सरकारी स्कूलों में शिविर शुरू ही नहीं हो सके। जिन कुछ स्कूलों में आयोजन हुआ भी, वहां केवल एक-दो दिन गतिविधियां कर औपचारिकता पूरी कर ली गई। जबकि निर्देशानुसार पूरे माह नियमित शिविर संचालित किए जाने थे। विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे शिविर आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए अधिक उपयोगी साबित होते हैं। निजी समर कैंप और खेल अकादमियों की फीस वहन नहीं कर पाने वाले विद्यार्थियों को सरकारी शिविरों से नई प्रतिभा निखारने का अवसर मिलता है। लेकिन इस बार विभागीय लापरवाही के कारण यह अवसर बच्चों के हाथ से निकल गया।

लोक शिक्षा संचालनालय के संचालक ने 24 अप्रैल को जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी पत्र में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि एक मई से एक जून तक विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए शिविर लगाए जाएं। शिविर में शामिल होने वाले विद्यार्थियों से 25 रुपए पंजीयन शुल्क लेने तथा इसी राशि से प्रशिक्षण देने वाले शिक्षकों को मानदेय देने की व्यवस्था भी तय की गई थी।इसके बावजूद जिले के अधिकांश स्कूलों में खेल और रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन नहीं हो पाया। ऐसे में खेलों को बढ़ावा देने और बच्चों की प्रतिभा निखारने के सरकारी दावों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। अभिभावकों और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय कर भविष्य में ऐसी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

बीती रात दिखा साल का सबसे छोटा पूर्णिमा का चांद

बिना दूरबीन लोगों ने निहारा अद्भुत नजारा- ब्लू मून और माइक्रोमून का दुर्लभ संयोग बना आकर्षण का केंद्र

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। खगोलीय घटनाओं में रुचि रखने वाले लोगों के लिए रविवार की रात खास रही। वर्ष 2026 का सबसे छोटा पूर्णिमा का चांद आसमान में दिखाई दिया। इस दुर्लभ खगोलीय घटना को माइक्रोमून कहा जाता है। खास बात यह रही कि इस बार ब्लू मून और माइक्रोमून का संयोग एक ही रात में देखने को मिला, जिससे लोगों में इसे देखने को लेकर उत्साह बना रहा।

वेधशाला अधीक्षक डॉ आरपी गुप्त के के अनुसार ब्लू मून का मतलब चंद्रमा का नीले रंग का दिखाई देना नहीं होता। जब किसी एक अंग्रेजी माह में दो पूर्णिमाएं पड़ती हैं, तब दूसरी पूर्णिमा को ब्लू मून कहा जाता है। इस वर्ष मई माह में पहली पूर्णिमा महीने की शुरुआत में हुई थी, जबकि दूसरी पूर्णिमा रविवार को रही। रविवार रात चंद्रमा पृथ्वी से लगभग 4 लाख 6 हजार किलोमीटर की दूरी पर रहा। अधिक दूरी के कारण यह सामान्य पूर्णिमा की तुलना में करीब 5 से 7 प्रतिशत छोटा और लगभग 10 प्रतिशत कम चमकीला दिखाई दिया। इसी वजह से इसे माइक्रोमून कहा जाता है। बीती रात का एक और आकर्षण यह रहा कि चंद्रमा वृश्चिक राशि के चमकीले तारे एंटारेस के बेहद करीब नजर आया। यह मनमोहक दृश्य शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में लोगों ने खुली आंखों से देखा। इस खगोलीय घटना को देखने के लिए किसी दूरबीन या विशेष उपकरण की जरूरत नहीं पड़ी।

खगोल विज्ञान से जुड़े जानकारों के अनुसार इस तरह का दुर्लभ संयोग कम ही देखने को मिलता है। अब अगला ब्लू मून 20 मई 2027 को दिखाई देगा, जबकि 31 दिसंबर 2028 को पूर्ण चंद्रग्रहण के साथ ब्लू मून का अनूठा संयोग देखने को मिलेगा। रविवार की रात आसमान में दिखे इस विशेष नजारे ने खगोल प्रेमियों को रोमांचित कर दिया।

क्या है माइक्रोमून- जब पूर्णिमा के दौरान चंद्रमा अपनी कक्षा में पृथ्वी से अधिक दूरी पर होता है, तब वह सामान्य पूर्णिमा की तुलना में छोटा और कम चमकीला दिखाई देता है। इसी स्थिति को माइक्रोमून कहा जाता है।

मालवांचल अजाक्स सम्मेलन की तैयारियां तेज, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव होंगे शामिल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोठी पैलेस स्थित अजाक्स कार्यालय में उज्जैन जिला इकाई द्वारा दूसरे मालवांचल अजाक्स सम्मेलन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की शुरुआत जिलाध्यक्ष डॉ. रतनलाल परमार के नेतृत्व में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की गई। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, अधिकारी-कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान तथा समाज के उत्थान से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। जिले भर से आए पदाधिकारियों ने सम्मेलन को लेकर अपने-अपने सुझाव रखे और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रांतीय महासचिव एवं उज्जैन संभाग प्रभारी महेश विरोलिया एवं विशेष अतिथि रतलाम जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर लश्करी, देवास जिला अध्यक्ष हेमराज गोखले, शाजापुर जिला अध्यक्ष बद्रीनाथ पवार उपस्थित थे। मीडिया प्रभारी डी.एल. भीलवाड़ा ने बताया कि मालवांचल अजाक्स सम्मेलन का आयोजन पहले 24 मई को प्रस्तावित था, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपलब्धता और तिथि निर्धारित नहीं होने के कारण कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। अब मुख्यमंत्री द्वारा जून माह में सम्मेलन आयोजित करने की सहमति प्रदान कर दी गई है और वे स्वयं कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री की ओर से जल्द ही कार्यक्रम की नई तिथि घोषित किए जाने की संभावना है। सम्मेलन की तैयारियां भव्य स्तर पर की जा रही हैं। इसके लिए लगातार बैठकों का आयोजन कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। सम्मेलन में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग से जुड़े सामाजिक और संगठनात्मक मुद्दों पर रणनीति बनाई जाएगी, जिसमें हजारों अधिकारी-कर्मचारी और समाजजन भाग लेंगे।

टेंपल बॉन्ड योजना को हाईकोर्ट में चुनौती...परियोजना पर उठे सवाल

300 करोड़ के बॉन्ड से मंदिरों के जीर्णोद्धार की तैयारी, याचिकाकर्ता ने कहा- स्वीकृतियों और वित्तीय व्यवस्था के बिना शुरू की गई प्रक्रिया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच उज्जैन विकास प्राधिकरण (यूडीए) की महत्वाकांक्षी टेंपल बॉन्ड योजना कानूनी विवाद में घिर गई है। मंदिरों के जीर्णोद्धार और सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रस्तावित 300 करोड़ रुपए के बॉन्ड जारी करने की योजना को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। मामले में दायर याचिका पर अब ग्रीष्मावकाश के बाद नियमित सुनवाई होगी।

याचिका उज्जैन निवासी प्रभातमोहन पांडे ने अधिवक्ता रोहित शर्मा के माध्यम से प्रस्तुत की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यूडीए ने योजना के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है, जबकि आवश्यक प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृतियां अभी तक प्राप्त नहीं हुई हैं। साथ ही, विकास कार्यों के लिए जरूरी वित्तीय संसाधनों और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी नहीं हुई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि प्राधिकरण लगभग 300 करोड़ रुपए खर्च करने की बात कर रहा है, जबकि उसके पास इतनी राशि उपलब्ध नहीं है। इसके लिए बॉन्ड जारी कर धन जुटाने का प्रस्ताव रखा गया है, लेकिन बॉन्ड जारी करने के लिए भी अभी तक आवश्यक मंजूरी नहीं मिली है। ऐसे में योजना की वैधानिकता और व्यवहारिकता दोनों पर सवाल खड़े होते हैं।

नदी किनारे निर्माण पर भी आपत्ति- याचिका में अंगारेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर भी आपत्ति जताई गई है। बताया गया है कि यह मंदिर शिप्रा नदी के तट पर स्थित है और प्रस्तावित निर्माण क्षेत्र नदी से करीब 100 मीटर की परिधि में आता है। मास्टर प्लान के अनुसार इस क्षेत्र में निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि ऐसी स्थिति में विकास कार्य नियमों के अनुरूप नहीं हैं।

इसके अलावा यह भी कहा गया है कि यदि बिना पर्याप्त वित्तीय व्यवस्था के कार्य शुरू किए जाते हैं तो परियोजना अधूरी रह सकती है। वहीं निर्माण कार्यों के दौरान मंदिरों को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ सकता है, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ेगा।

ग्रीष्मावकाश पीठ ने सुनवाई बढ़ाई- शुक्रवार को मामले की प्रारंभिक सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट की ग्रीष्मावकाश पीठ ने इसे नियमित बेंच के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने के निर्देश दिए। इसके बाद मामले की विस्तृत सुनवाई ग्रीष्मावकाश समाप्त होने के बाद होगी।

11 प्रमुख मंदिरों के विकास के लिए बनी है योजना- गौरतलब है कि धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने और श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने उज्जैन और आगर-मालवा जिले के 11 प्रमुख मंदिरों के पुनरुद्धार एवं विकास की योजना बनाई है। इस परियोजना पर करीब 1100 करोड़ रुपए खर्च किए जाने का प्रस्ताव है। इसके लिए देश में पहली बार 'टेंपल बॉन्ड' जारी करने की योजना बनाई गई है।

योजना में उज्जैन के कालभैरव मंदिर, मंगलनाथ मंदिर, सांदीपनि आश्रम, नवग्रह मंदिर, 84 महादेव मंदिर, अंगारेश्वर महादेव मंदिर, भखी माता मंदिर, गढ़कालिका मंदिर और सिद्धवट मंदिर सहित कई प्रमुख धार्मिक स्थलों को शामिल किया गया है। इसके अलावा आगर-मालवा के मां बगलामुखी मंदिर को भी परियोजना में जोड़ा गया है।

हाईकोर्ट की सुनवाई पर टिकी निगाहें- सिंहस्थ-2028 को ध्यान में रखते हुए इस परियोजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है, लेकिन हाईकोर्ट में चुनौती मिलने के बाद अब इसकी आगे की राह न्यायालय के निर्णय पर निर्भर करेगी। आने वाले दिनों में सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट होगा कि टेंपल बॉन्ड योजना नियमानुसार आगे बढ़ सकेगी या इसमें बदलाव करना होगा।

हरे वृक्षों को बचाकर कार्य किया जाए, हर वृक्ष हमारी अमूल्य धरोहर है-कलेक्टर श्री सिंह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने रविवार को नियमित निरीक्षण के तहत विभिन्न विभागों के माध्यम से निर्माणाधीन विकास कार्यों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों को कराने वाले विभागीय अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग कर अति शीघ्र कार्य को गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराएं। कलेक्टर ने कहा कि निर्माण कार्य के दौरान हरे वृक्षों को बचाकर निर्माण कार्य किए जाएं। जहां भी बड़े परिसर है वहां हरियाली के लिए पौधारोपण करें जिससे परिसर की सुंदरता भी रहे। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा भी मौजूद रहे। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने रविवार को नियमित निरीक्षण के दौरान देवास रोड़ सांईस कॉलेज के समीप निर्माणाधीन गीता भवन ऑडिटोरियम, विक्रमकीर्ति मंदिर संग्रहालय का उन्नयन कार्य, तारामंडल के समीप रेप टाईल पार्क निर्माण कार्य और कोठी पैलेस पर निर्माणाधीन वीर भारत संग्रहालय के कार्य का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री सिंह ने गीता भवन ऑडिटोरियम निर्माण कार्य प्रगति की जानकारी लेने के बाद संबंधित विभाग को तेज गति से निर्माण पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए।कलेक्टर श्री सिंह ने इसके बाद विक्रम कीर्ति मंदिर संग्रहालय उन्नयन कार्य का अवलोकन किया। यहां पर जानकारी में बताया गया कि वर्तमान में सिविल कार्य पूर्ण हुआ है। इंटीरियर और प्रीहिस्टोरिक गैलरी का कार्य प्रगतिरत है। यह भी जानकारी दी गई कि निर्माण कार्य सितंबर माह तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि नियमित रूप से मॉनिटरिंग करते हुए कार्य की गति बढ़ाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने इसके पश्चात तारामंडल के समीप निर्माण अधीन रेप्टाइल पार्क का निरीक्षण किया। यहां पर जानकारी दी गई कि विजिटिंग पार्क का निर्माण कार्य शुरू किया है वहीं हॉर्टिकल्चर पोस्टमार्टम और रेस्क्यू सेंटर का निर्माण स्ट्रक्चर स्तर पर है। कलेक्टर श्री सिंह ने कोठी पैलेस पर निर्माणाधीन वीर भारत संग्रहालय का निरीक्षण किया। स्मार्ट सिटी के माध्यम से जानकारी दी गई कि वीर भारत संग्रहालय के फेस वन में कार्य प्रगतिरत है। कार्य के अंतर्गत मैन्युअल कार्य चीनी हथौड़ी के माध्यम से पूरी सावधानी के साथ किया जा रहा है। इसके पश्चात फेस-टू का काम जमीन आवंटन के पश्चात किया जाएगा। कलेक्टर श्री सिंह निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा और सावधानी रखने के साथ ही कार्य को तेज गति से लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने जमीन आवंटन को लेकर भी चर्चा की। निरीक्षण के दौरान नगर निगम कमिश्नर श्री अभिलाष मिश्रा, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री संदीप शिवा सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उज्जैन ने जीता ओवरऑल टीम का खिताब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उज्जैन के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल पुरुष वर्ग की टीम चैंपियनशिप का खिताब जीतकर स्वर्णिम इतिहास रच दिया है। इसके साथ ही उज्जैन की टीम ने इक्विप्ड चैंपियनशिप में भी सेकंड रनरअप का खिताब अपने नाम किया।

मध्य प्रदेश पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के तत्वावधान में श्रीमंत माधवराव सिंधिया की स्मृति में 30 और 31 मई को ग्वालियर के जीवाजी क्लब में राज्य स्तरीय इक्विप्ड एवं क्लासिक महिला-पुरुष मास्टर्स पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। उज्जैन जिला पावरलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जय सिंह यादव और सचिव कमल नंदवाना ने बताया कि टीम की इस बड़ी सफलता में कोच मोहम्मद इमरान की अहम भूमिका रही।

खिलाड़ियों ने पदकों पर जमाया कब्जा- प्रतियोगिता में उज्जैन के खिलाड़ियों ने अपने-अपने वर्ग समूह में शानदार प्रदर्शन कर दोहरे पदक अर्जित किए। मास्टर-4 कैटेगरी में रविंद्र सिंह निर ने कुल 205 किलो वजन उठाकर क्लासिक और इक्विप्ड दोनों प्रतियोगिताओं में बेस्ट लिफ्टर का सेकंड रनरअप खिताब और स्वर्ण पदक जीता। महिला वर्ग की मास्टर-2 कैटेगरी में पुष्पा चौहान ने 212.5 किलो वजन उठाकर रजत पदक अपने नाम किया।

इसके अतिरिक्त पुरुष वर्ग में गुलरेज खान, दिलीप गेहलोद, अभय सिंह राठौड़ और मोहम्मद इमरान ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं सौदान सिंह और राजेंद्र सिंह कुशवाहा ने रजत पदक जीते।

खिलाड़ियों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर संस्था प्रमुख नरेंद्र मालवीय, बलराम यादव, शोएब कुरैशी, अनिल चावंड, आनंद सोलंकी, अरविंद शुक्ला, अभिषेक सिंह राठौड़, अजय जाधव, उमेश पवार, सज्जाद हुसैन, परवेज मोहम्मद, लखन पोरवाल, मयंक जोशी, फईम उस्मानी और मनोज कपासिया आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए खिलाड़ियों को बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

सिंहस्थ के लिए 9 जिलों में बनेंगे होल्डिंग एरिया, उज्जैन पर भीड़ का दबाव होगा कम

लाखों वाहनों की पार्किंग और श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ-2028 को देश का सबसे सुव्यवस्थित धार्मिक आयोजन बनाने के लिए सरकार ने तैयारियों का दायरा उज्जैन से बढ़ाकर आसपास के 9 जिलों तक कर दिया है। करोड़ों श्रद्धालुओं और लाखों वाहनों की संभावित भीड़ को देखते हुए इंदौर, देवास, रतलाम, धार, मंदसौर, शाजापुर, आगर-मालवा, खरगोन और खंडवा जिलों में बड़े पैमाने पर होल्डिंग एरिया और सेटेलाइट पार्किंग विकसित की जाएगी। यहां श्रद्धालुओं के ठहरने, पेयजल, शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था रहेगी।

शनिवार को प्रशासनिक संकुल भवन में हुई समीक्षा बैठक में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा ने सभी विभागों को समयबद्ध कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उज्जैन के बाहर भी श्रद्धालुओं को मेला क्षेत्र जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं ताकि शहर पर भीड़ और यातायात का दबाव कम हो सके।

सिंहस्थ की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन के लिए 11,500 होमगार्ड जवान तैनात किए जाएंगे। वहीं नगर निगम ने स्वच्छता के लिए 1 लाख 19 हजार अस्थायी शौचालय, 23 हजार 200 स्नानागार और 31 हजार 900 यूरिनल स्थापित करने की योजना बनाई है। लोक निर्माण विभाग 196.73 किलोमीटर क्षेत्र में बैरिकेडिंग करेगा, जबकि बिजली विभाग पांच नए विद्युत उपकेंद्र स्थापित कर निर्बाध बिजली आपूर्ति करेगा। मेला क्षेत्र को रोशन करने के लिए 12,200 एलईडी लाइट, 9 हजार फ्लड लाइट और 48,100 सीरीज लाइट लगाई जाएंगी। साथ ही 25.04 करोड़ रुपए की लागत से संकेतक चिन्ह और शहर के प्रमुख चौराहों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा। बैठक में टेंट सिटी, सड़क चौड़ीकरण, सीवरेज और अन्य अधोसंरचना परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई।

प्रशासन का मानना है कि पहली बार अपनाए जा रहे इस रीजनल मॉडल से सिंहस्थ के दौरान भीड़ और यातायात प्रबंधन बेहतर होगा तथा श्रद्धालुओं को अधिक सुविधाजनक और सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।